RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 113 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 5 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

भारत सरकार की बड़ी कार्रवाई
बैन हुए लोन और बेटिंग वाले 232 ऐप्स, चीन से था कनेक्शन

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने एक बार फिर से बड़ी डिजिटल स्ट्राइक की है। सरकार ने 138 बेटिंग वाले तथा 94 लोन देने वाले ऐप्स पर भी कार्रवाई की गई है। इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इन ऐप्स पर कार्रवाई की है। इन ऐप्स को लेकर कहा जा रहा है कि इनका संबंध चीन से था। इसे देखते हुए इन ऐप्स को इमरजेंसी और अर्जेंट ब्लॉक करने का आदेश दिया गया है। टोटल 232 ऐप्स बैन किए गए हैं। इन ऐप्स को आईटी एक्ट के सेक्शन 69 के तहत बैन किया गया है.

बैन किए गए ज्यादातर ऐप्स स्मार्टफोन पर डाउनलोड के लिए प्ले स्टोर पर उपलब्ध नहीं है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बेटिंग ऐप्स और गेम्स को थर्ड पार्टी लिंक या वेबसाइट से डाउनलोड किया जा रहा था। कई ऐप्स को ऑनलाइन सीधे सोशल मीडिया साइट्स से भी खेला जा सकता है। इसमें से कई ऐप्स क्रिप्टोकरेंसी में पेमेंट एक्सेप्ट करते हैं। मिनिस्ट्री ऑफ इंफोर्मेशन और ब्रॉडकास्टिंग या स्ब्ढ्क्र ने बताया है कि भारत के ज्यादातर हिस्सों में बेटिंग और गेम्बलिंग गैर-कानूनी है।

नोएडा से पकड़ाया महादेव बुक का पैनल, 3 लैपटॉप व 15 मोबाइल के साथ 9 सटोरिए धराए

तीन दिन पहले मिला था इनपुट, एसपी अभिषेक पल्लव ने टीम को किया था रवाना

श्रीकंचनपथ

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने महादेव का एक पैनल ब्रेक किया है। इस बाद पुलिस ने उत्तरप्रदेश के नोएडा से महादेव बुक आईडी से सट्टा खिला रहे सटोरियो को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 3 लैपटॉप व 15 मोबाइल फोन जब्त किया है। इसके अलावा इनके पास से करोड़ों के लेनदेन का हिसाब तथा बैंक पासबुक, एटीएम व अन्य दस्तावेज जब्त किया गया है। सटोरियों से पूछताछ जारी है। एसपी डॉ अभिषेक पल्लव रविवार को इस पूरे मामले का खुलासा करेंगे।

बता दें दुर्ग पुलिस अब तक महादेव के कई पैनल ब्रेक कर चुका है। इससे पहले भी दुर्ग पुलिस ने छत्तीसगढ़ व अन्य राज्यों में महादेव बुक आईडी के सटोरियों को पकड़ने में कामयाबी पाई है। इसी कड़ी में शनिवार को दुर्ग पुलिस ने उत्तरप्रदेश के नोएडा से 9 सटोरियों को महादेव बुक का संचालन करते रंगे हाथों पकड़ा है। दरअसल पुलिस ने इन सटोरियों का इनपुट पुराने पकड़े गए सटोरियों से मिला था। इसके बाद पुलिस की टीम लगातार इनको ट्रैक करने की कोशिश में लगी थी। आखिरकार पुलिस को कामयाबी मिली। बताया जा रहा है कि भिलाई से युवा बड़ी संख्या में महादेव से जुड़े हुए हैं और कई राज्यों में इनका नेटवर्क चल रहा है। फिलहाल पुलिस जांच में लगी हुई है।

तीन दिन पहले मिली थी सटोरयों की जानकारी

मिली जानकारी के अनुसार पुराने सटोरियों से पूछताछ के आधार पर तीन दिन पहले ही पुलिस को पता चला कि नोएड़ा में पूरा पैनल चला रहे हैं। एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने एक टीम को रवाना किया। टीम ने नोएड़ा में पहले कन्फर्म किया और महादेव बुक के सटोरियों के यहां दबिश दी। यहां से पुलिस ने 9 सटोरियों को को लैपटॉप व मोबाइल फोन के साथ करोड़ों के लेनदेन के दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार किया है। एसपी डॉ पल्लव रविवार को पूरे ऑपरेशन का खुलासा मीडिया की मौजूदगी में करेंगे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल करेंगे राजिम माघी पुन्नी मेला का शुभारंभ महानदी की आरती में होंगे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रविवार को माघी पूर्णिमा के अवसर पर त्रिवेणी संगम राजिम में आयोजित राजिम माघी पुन्नी मेला का शुभारंभ करेंगे। इस दौरान वे यहां राजीव लोचन मंदिर में भगवान विष्णु के दर्शन करेंगे। वहीं संगम स्थल पर होने वाली प्रसिद्ध महानदी की आरती में भी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के तय कार्यक्रम के अनुसार वे आज शाम 4.55 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर 5.25 बजे गरियाबंद जिले के राजिम पहुंचेंगे और वहां शाम 6.55 बजे राजीव लोचन मंदिर दर्शन करेंगे और महानदी आरती में शामिल होंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल राजिम माघी पुन्नी मेला 2023 का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री 9.15 बजे रायपुर लौट आएंगे।

संत समागम में भी होंगे शामिल

इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दोपहर 2 बजे पुलिस ग्राउण्ड रायपुर हेलीपेड से हेलीकॉप्टर द्वारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के ग्राम दामाखेड़ा के लिए रवाना होंगे। दामाखेड़ा में दोपहर 2.25 बजे मुख्यमंत्री श्री बघेल संत समागम समारोह (माघी मेला) में शामिल होंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री 3.30 बजे हेलीकॉप्टर से रवाना होकर 3.55 बजे बेमेतरा जिले के ग्राम उफरा पहुंचेंगे और वे छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज धमधा राज के 77वें वार्षिक राज अधिवेशन में शामिल होंगे।

राष्ट्रीय कांग्रेस का महाधिवेशन रायपुर में, जायजा लेने पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में पहली बार 24 से 26 फरवरी तक राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन होने जा रहा है। 24 से 26 फरवरी के बीच होने वाले इस अधिवेशन की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। इसी कड़ी में रविवार को राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियों का जायजा लेने कांग्रेस के महासचिव केसी वेणु गोपाल रायपुर पहुंचे। इनके साथ राष्ट्रीय कांग्रेस के कोषाध्यक्ष पवन कुमार बंसल, महासचिव तारीक अनवर भी रायपुर पहुंचे।

एयरपोर्ट में राष्ट्रीय कांग्रेस के पदाधिकारियों का भव्य स्वागत हुआ। राष्ट्रीय पदाधिकारियों को स्वागत करने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी चीफ मोहन मरकाम सहित कांग्रेस के दिग्गज नेता एयरपोर्ट पर पहुंचे थे। इस मौके पर राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मीडिया से भी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कहा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा काफी सफल रही है और इसकी सफलता से भाजपा के खलबली मची हुई है। उन्होंने इस दौरान यह भी कहा कि राष्ट्रीय अधिवेशन 24 से 26 फरवरी तक होना है और इसकी तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे हैं।

मैत्री बाग में फ्लावर शो का आयोजन

भिलाई। मैत्री गार्डन में आज फ्लावर शो का आयोजन किया गया है। गार्डन प्रबंधन द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी फ्लावर शो की प्रदर्शनी लगाई गई है। वहीं इस फ्लावर शो में एक महिला तालपुरी निवासी ज्योति शर्मा फूलों से सजकर इस कार्यक्रम में चार-चांद लगा रही है। जिसमें जिले भर से हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंच रहे है। हर यह प्रदर्शनी बहुत ही आर्कषक होती है।

फोटो जर्नलिस्ट-गौकरण निषाद

भिलाई तीन में हादसा

बुलेरो सवार ने मारी स्कूटर को ठोकर घायल शख्स की अस्पताल में मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के तहत ड्रीम सिटी के पास एक बुलेरो सवार ने स्कूटर सवार शख्स को ठोकर मार दी। ठोकर मारने के बाद वह फरार हो गया। घटना स्थल पर गंभीर रूप से घायल शख्स को पास के अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी मौत हो गई। इधर घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बुलेरो चालक फरार है और उसकी तलाश की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार विश्वबैंक कॉलोनी भिलाई तीन निवासी सागर भोई शनिवार की रात को अपनी स्कूटर से बाजार की कुछ सामान लेने निकला था। रात करीब 8:30 बजे वह ड्रीम सिटी के पास पहुंचा था इस दौरान एक तेज रफ्तार बुलेरो ने उसे ठोकर मार दी। ठोकर मारने के बाद बुलेरो सवार मौके से फरार हो गया और स्कूटर सवार सागर भोई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुरानी भिलाई की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों की मदद से घायल सागर भोई को अस्पताल भेजा। अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों का कहना था कि अत्याधिक खून बहने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने रात को शव मरच्यूरी में रखवा दिया। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। इधर पुलिस ने घटना स्थल पर लोगों से पूछताछ की है। वहीं स्कूटर को ठोकर मारने वाले बुलेरो चालक की तलाश की जा रही है।

नया विधेयक तैयार: सेना व न्यायपालिका के खिलाफ बयानबाजी पर होगी पांच साल की सजा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में सेना व न्यायपालिका के खिलाफ विपक्ष के हमलों के बीच शहबाज शरीफ सरकार ने नया विधेयक तैयार किया है। इसके अनुसार, सेना व न्यायपालिका के खिलाफ गलत बयानबाजी करने पर पांच साल तक की सजा का प्रावधान है। यह विधेयक पाकिस्तान दंड संहिता (पीपीसी) और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) में संशोधन की अनुमति देता है।

पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, इस विधेयक को जल्द ही कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। नया आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2023, पीपीसी 1860 में धारा 500 के बाद एक नई धारा 500ए का सुझाव देता है।

नहीं रहे पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ, दुबई के अस्पताल में ली अंतिम सांस

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफका रविवार को निधन हो गया है। वे पिछले लंबे समय से बीमार चल रहे थे। मीडिया की रिपोट्र्स के मुताबिक वे अमाइलॉइडोसिस बीमारी से जूझ रहे थे। रविवार को दुबई के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका इलाज संयुक्त अरब अमीरात के अमेरिकी अस्पताल में चल रहा था। वे 2016 से दुबई में रह रहे थे। परवेज मुशर्रफ आखिरी दिनों में चलने फिरने में भी असमर्थ दिखे वे पूरी तरह व्हील चेयर के भरोसे थे और खाना भी नहीं खा पा रहे थे।

बता दें परवेज मुशर्रफ का जन्म दरियागंज नई दिल्ली में 11 अगस्त 1943 को हुआ था। 1947 में उनके परिवार ने पाकिस्तान जाने का फैसला किया। विभाजन के कुछ दिन पहले ही उनका पूरा परिवार पाकिस्तान पहुंचा था। परवेज मुशर्रफतख्तापलट के बाद पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने। 1999 से 2008 तक पाकिस्तान पर शासन किया था। इसके बाद यहां लोकतांत्रिक सरकार बनी। पाकिस्तान में 3 नवंबर, 2007 को इमरजेंसी लगाने और और दिसंबर 2007 के मध्य तक संविधान को निलंबित करने के जुर्म में परवेज मुशर्रफ पर दिसंबर 2013 में देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया था। मुशर्रफ को 31 मार्च, 2014 को दोषी ठहराया गया। पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार पेशावर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस वकार अहमद सेठ की अध्यक्षता में विशेष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने मुशर्रफ को फांसी की सजा सुनाई। इसके बाद वे देश छोड़कर भाग गए। मुशर्रफ मार्च 2016 से दुबई में रह रहे थे और वहीं पर उन्होंने अंतिम सांस ली।

कभी हम डॉक्टर तो कभी दवा बदल लेते हैं

श्रीकंचनपथ

जीवित शरीर है तो बीमारियां भी होंगी ही। बीमार पड़ेंगे तो डाक्टर के पास भी जाएंगे। डाक्टर चाहेगा कि उसका रोगी जल्दी ठीक हो। वह बीमारी को ताड़ेगा और दवाइयां लिखेगा। जब दवा काम नहीं करेगी तो वह उसे बदल देगा। एक दो मौका एक डाक्टर को देने के बाद रोगी डाक्टर को ही बदल देगा। बड़ा डाक्टर बीमारी को ताड़ने की कोशिश नहीं करेगा, वह विभिन्न जांचों द्वारा रोग की सही-सही पहचान करेगा। जांच महंगी होगी तो डाक्टर कोसे जाएंगे। रोगी फिर डाक्टर बदल लेगा। इलाज महंगा होगा तब भी लोग यही कहेंगे कि डाक्टर लूट रहे हैं। दवा की गुणवत्ता पर कोई भी संदेह नहीं करेगा। इसकी जांच का आम आदमी के पास कोई उपाय भी नहीं है। लिहाजा यह सबसे सुरक्षित धंधा है। हालांकि दवा की जांच-पड़ताल के लिए नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन है। स्टाफकी कमी से जूझ रहे इस विभाग के हाथ-पैर बंधे हुए हैं। दवा असली भी हो तो वह सही मूल्य पर लोगों तक पहुंच जाए, इसे सुनिश्चित करना तक मुश्किल हो जाता है। फिलहाल बाजार में चार तरह की दवा दुकानें हैं। एक जो अस्पतालों के भीतर संचालित होती हैं। दूसरी जो खुले बाजार में बैठी हैं। तीसरी वो जो केन्द्र या राज्य सरकार द्वारा प्रवर्तित है। चौथी वह जो ऑनलाइन मार्केट में उपलब्ध है। एक ही दवा की इन चार स्थानों पर कीमतें अलग-अलग होती हैं। दिक्कत यह भी है कि कपड़ा और जूता दुकानों की तरह दवा दुकानों में भी डिस्काउंट के बोर्ड लगे होते हैं. कोई 10 से 15 प्रतिशत छूट दे रहा होता है तो कोई 25 से 30 प्रतिशत। छूट देने वाले दुकानदार कहते हैं कि वे डाक्टर को कमीशन नहीं देते इसलिए ग्राहक को छूट दे पाते हैं। बदनाम यहां भी डाक्टर ही होता है। ऐसा लगने लगता है कि डाक्टर मरीजों का भगवान कम और दवा विक्रेता का एजेंट ज्यादा है। वैसे दोष न तो डाक्टरों का है और न ही दवा विक्रेताओं या औषधि नियंत्रक का हमारे यहां लोग काम की खबरें कम ही पढ़ते हैं। पढ़ते तो पता होता कि कई नामचीन ब्रांडों की कई दवाइयां और उत्पाद अमानक स्तर की पाई गई हैं। स्वदेशी और आयुर्वेद के नाम पर देश में कुछ भी चल जाता है। लोग आज भी फुटपाथ से सांडे का तेल खरीद लेते हैं। किराना दुकानों से जड़ी बूटियां खरीद लाते हैं। यही कारण है कि 2006 में आया एक ब्रांड बाजार के एक बड़े हिस्से पर कब्जा करने में सफल हुआ। इसके ग्राहक कम और भक्त ज्यादा हैं. ऐसा ही एक आयुर्वेद ब्रांड इंदौर का आयुष संस्थान है। छत्तीसगढ़ में इसकी दो पीड़ानाशक दवाइयों की बड़ी खेप पकड़ी गई है। 50 रुपए की ये दवाइयां यहां 700 रुपए में बिकती हैं. नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारी भी इसके ग्राहक हैं। दरअसल यह देश भगवान भरोसे चल रहा है। किसी को किसी की नहीं पड़ी है।

संपादकीय

हिंडनबर्ग पर हंगामा

जब से अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई है आर्थिक व राजनीतिक क्षेत्रों में तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मुद्दे की आंच अब देश की संसद तक जा पहुंची है। गुरुवार को इस मुद्दे पर संसद में जमकर हंगामा बरपा। विपक्षी दल लगातार अडाणी समूह के वित्तीय लेनदेन की व्यापक जांच के लिये संसदीय पैनल बनाने की मांग करते रहे। वहीं कुछ विपक्षी सुप्रीम कोर्ट की कमेटी से मामले की जांच कराने की मांग करते देखे हैं। इस मामले ने इतना तूल पकड़ा कि हंगामे के चलते आखिरकार लोकसभा व राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। दरअसल, राजग सरकार के सत्ता में आने के बाद अडाणी समूह का साम्राज्य अप्रत्याशित रूप से बढ़ा है। यह आम धारणा रही है कि राजाश्रय में ही अडाणी समूह फला-फूला है। विपक्ष के इस विरोध के मूल में आर्थिक अनुशासन कायम करने के बजाय मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा करना प्राथमिकता नजर आता है। लगातार यह दलील दी जाती है कि अडाणी समूह की अप्रत्याशित सफलता के लिये सरकारी बैंकों से भारी ऋण उपलब्ध कराया गया है। जिससे जनता का पैसा दांव पर लगा है।

> विपक्षी नेता आरोप लगाते रहे कि जनता की मेहनत का पैसा दांव पर लगा है। उनकी दलील थी कि राजनीतिक संरक्षण में जनता का पैसा उद्योगपतियों के हितों में लगाने से लोगों का बैंकिंग व एलआईसी जैसी संस्थाओं से भरोसा उठ जाएगा। निस्संदेह, आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का भरोसा जगाने के लिये पारदर्शी आर्थिक व्यवस्था का होना अपरिहार्य है।

कुछ समाचार एजेंसियों का दावा है कि आरबीआई ने बैंकों से अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड को दिये गये कर्ज का विवरण मांगा है। बहरहाल, हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों के बाद समूह के शेयरों में भारी गिरावट का क्रम लगातार जारी है। इस संकट की घड़ी में अडाणी समूह ने निवेशकों का विश्वास हासिल करने के लिये बीस हजार करोड़ के एफपीओ को रद्द करके निवेशकों को पैसा लौटाने की बात कही है। स्वयं गौतम अडाणी ने एफपीओ रद्द करने की घोषणा एक वीडियो के जरिये की और निवेशकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उनका भरोसा बनाये रखना उनकी प्राथमिकता है। निवेशकों को नुकसान से बचाने के लिये एफपीओ रद्द किया गया है। बहरहाल, इसके बावजूद मुद्दे पर विवाद का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को संसद में तेरह विपक्षी पार्टियां लगातार हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर सदन में चर्चा की मांग करती रही। ये तेरह पार्टियां नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन के साथ एकजुट हुईं। विपक्षी नेता आरोप लगाते रहे कि जनता की मेहनत का पैसा दांव पर लगा है। उनकी दलील थी कि राजनीतिक संरक्षण में जनता का पैसा उद्योगपतियों के हितों में लगाने से लोगों का बैंकिंग व एलआईसी जैसी संस्थाओं से भरोसा उठ जाएगा। निस्संदेह, आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का भरोसा जगाने के लिये पारदर्शी आर्थिक व्यवस्था का होना अपरिहार्य है। दरअसल, देश के लोग सामाजिक सुरक्षा के मकसद से बैंकों व अन्य सरकारी वित्तीय संस्थाओं में पैसा लगाते हैं। जिसके लिये मजबूत नियामक ढांचे की जरूरत महसूस की जा रही है। दरअसल, इस विवाद के मूल में न्यूयार्क स्थित एक निवेशक अनुसंधान फर्म हिंडनबर्ग की वह रिपोर्ट है जिसमें दावा किया गया कि अडाणी समूह जो आर्थिक समृद्धि दर्शा रहा है उसके लिए अनैतिक व अनुचित तौर-तरीकों का प्रयोग किया गया है। हालांकि, अडानी समूह ऐसे किसी भी आरोप को खारिज करता रहा है और इसे भारतीय अर्थव्यवस्था पर बाहरी हमला बताता रहा है। लेकिन इसके बावजूद समूह को साख के अलावा अरबों का नुकसान हुआ है। दरअसल, रिपोर्ट में समूह के उच्च ऋण स्तरों पर सवाल उठाए गये और उस पर टैक्स हेवन में स्थित शेल कंपनियों का उपयोग करने का आरोप लगाया है। दरअसल, विगत में आर्थिक विश्लेषक एलआईसी और कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा अडाणी समूह में निवेश करने को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। निस्संदेह, इन परिस्थितियों में उम्मीद की जानी चाहिए कि सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक जैसी नियामक संस्थाएं ऐसे मामलों में शीघ्र व निर्णायक रूप से पहल करके लोगों का विश्वास बहाल करें। इसमें दो राय नहीं कि ऐसे प्रकरणों से निवेश की दृष्टि से भारत की प्रतिष्ठा को भी नुकसान हो सकता है। खासकर वे विदेशी निवेशक प्रभावित हो सकते हैं जो भारत को अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले निवेश के लिये सुरक्षित मानते रहे हैं।

बक्र चंद्रमहि ग्रसइ न राहू

ये कैसे विरोधप्रिय, विरोधवादी, विरोधाभासी और बहिष्कारवादी दिन आ गए कि जब न अनुनय-विनय से काम चलता है; न प्रशंसा-अनुशंसा से काम चलता है; न स्वागतम्-सुस्वागतम् से काम चलता है, तब दुष्टता और धृष्टता से काम चलता है; विरोध, विरोधाभास और बहिष्कार से काम चलता है। विरोध, विरोधाभास और बहिष्कार आज के साहित्यिक मानक और अलंकार हैं। उदाहरण सामने है। जिसका विरोध हुआ, वह 'हिट' हुआ, जिसका नहीं हुआ, वह 'पिट' गया। विरोध या विरोधाभास अलंकार की यही 'डायलेक्टिक्स' है। बहुत से ज्ञानियों ने इस अलंकार को पहले ही साध लिया है। वे शुरू में ही अपना विरोध और बहिष्कार करने-कराने लगते हैं, फिर 'धमकी' दिलवाते हैं और ज्यों ही धमकी मिलती है, त्यों ही हिट हो जाते हैं; मीडिया में छा जाते हैं। सच यही है। आप लाख अच्छा लिख लें, लाख अपनी तारीफकर-करा लें, लाख इनाम पा लें, अपना सीवी खूब सजाकर रख लें कि इन्होंने प्रशंसा की और उन्होंने आपकी तारीफ में लंबा लेख लिखा, जिसमें आपको प्रसाद, पंत, निराला या अज्ञेय-मुक्तिबोध से भी आगे का कवि सिद्ध किया, ऐसी सारी प्रशंसाएं 'प्रायोजित' ही मानी जाती हैं। आज के समय में प्रशंसा संदिग्ध है, जबकि निंदा असंदिग्ध। जब तक आप या आपकी कृति पर कोई दांत निकालकर गुर्र-गुर्र न करे और धमकी न दे, तब तक आपका लिखा-न लिखा सब बराबर है। जब तक आप किसी को आहत नहीं करते, तब तक आप क्या तो लेखक और कैसे तो लेखक? यही है हिंदी के 'साहित्यिक चोटशास्त्र' की चुटीली डायलेक्टिक्स चोट करेंगे, तो चोट मिलेगी। चोट मिलेगी, तो मीडिया मिलेगा और फिर आप ही आप होंगे। सोचता हूं कि अब मैं भी चुटीला लेखक बन जाऊं। चोट मारूं और चोट पाऊं, फिर रोऊं-धोऊं कि हाय! मार डाला। मेरे पालित विरोधी फौरन मेरी रचना का विरोध करना शुरू कर दें, मेरे घर के आगे प्रदर्शन करें, मेरा बहिष्कार करें, ट्रोल करें। मुझे धमकी मिले और मैं 'प्रोटेक्शन' मांगू। अब यही तरीका बचा है अमर होने का। सन 1987 की बात होगी। मेरे पहले प्रकाशक ने मेरी एक किताब की पांडुलिपि हाथ में लेते ही पूछा था, इससे कितने दुश्मन बनेंगे? तब मैं उनकी बात का मर्म न समझ पाया था, लेकिन अब समझ रहा हूं कि साहित्य की दुनिया में जो मजा दुश्मन बनाने में है, वह दोस्त बनाने में नहीं। और आज का दौर तो इससे भी आगे का है। लेकिन आज सिर्फ विरोधी या दुश्मन बनाना ही काफी नहीं, उनको एक्टिव करना-कराना भी एक काम है। सब उनके हाथ में है। जैसे ही इशारा हो, वे विरोध करने लगें, 'सिग्नेचर कैंपेन' चला दें, धरना-प्रदर्शन कर दें, बहिष्कार कर दें। यह काम हजारों प्रशंसा से भी बड़ा होगा और साहित्य में पक्की जगह दिलाएगा। याद रहे, जब लिखें, तो ऐसा कि मीडिया पूछे, आपने ऐसा क्यों लिखा कि इतना विरोध हो रहा है? बस, इसी वक्त फैल जाएं कि मैंने जो लिखा, सच लिखा। मैं कतई माफी नहीं मांगने वाला। आप फासिस्ट हैं, मेरी अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश नहीं लगा सकते... आप तुरत 'ग्लोबल लेखक' हो जाएंगे। विरोध और विरोधाभास की डायलेक्टिक्स इसी तरह काम करती है कि विरोध करो, विरोधी रहो और हमेशा 'वक्री' बने रहो, क्योंकि टेढ़ जानि सब बंदइ काहू/ बक्र चंद्रमहि ग्रसइ न राहू, यानी वक्र चंद्रमा को राहू भी अपना ग्रास नहीं बना पाता।

> एक अध्ययन के मुताबिक, वर्ष 2025 तक पश्चिमोत्तर और दक्षिण भारत के इलाकों में गंभीर जल संकट पैदा होने की आशंका है। यह हतभागी सिलसिला साल-दर-साल जारी रहा, तो सन् 2050 तक समूचा देश इस विकराल समस्या से जूझ रहा होगा।

जल संकट की मुनादी

शशि शेखर

हम वाराणसी के अस्सी घाट पर बैठे थे। सामने विस्तृत पाट पर सूरज की किरणें मानो सोना बिखेर रही थीं। माहौल गंगामय था और हम कुछ पुराने मित्र गंगा चर्चा में तल्लीन थे। किसी को पंडित जगन्नाथ, किसी को इकबाल, तो किसी को 'मां गंगा' पर बनी पेंटिंग याद आ रही थी। अचानक उनमें से एक बोला कि यह सारी 'मौज-बहार' सिर्फ दो महीने की रह बची है। गरमियां आते ही जल का प्रवाह कम हो जाएगा।

रंग में भंग पड़ चुका था, पर उसने गमगीन अंदाज में बात जारी रखी कि कभी-कभी तो पानी इतना कम हो जाता है कि नदी के बीचोंबीच टापू उग आते हैं। उन उदास लम्हों में मुझे तीन बरस पहले अपने अखबार में छपा एक फोटो याद आ गया। हरियाणा के कुछ शहरों में यमुना इतनी छीज गई थी कि लोगों ने अपने स्वजनों की राख उसके बालू में दबा छोड़ी थी। उन्हें उम्मीद थी कि बारिश के बाद 'यमुना मइया' का प्रवाह यहां तक पहुंच जाएगा और उनके प्रियजनों को परलोक में शांति हासिल होगी। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इस दौरान दोनों नदियों के स्रोतों से जल की निकासी बढ़ी है। वजह? तापमान में बढ़ोतरी के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, यानी इन शाश्वत मानी जाने वाली नदियों के अस्तित्व पर खतरा बढ़ रहा है।

सवाल उठता है कि इस संबंध में सरकार क्या कर रही है? उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों हिन्दुस्तान को दिए एक साक्षात्कार में बताया कि हम अपनी नदियों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध हैं। गंगा में जल परिवहन की शुरुआत हो चुकी है, अब इसके रफ्तार पकड़ने की बारी है। हम प्रदेश की 66 नदियों के संरक्षण पर काम कर रहे हैं। प्रदेश सरकार को इसमें कितनी सफलता मिली है, इसका उदाहरण गोमती नदी है। यकीनन, सरकारें अपना काम कर रही होंगी, पर इस मामले में व्यापक जन-जागृति की जरूरत है, क्योंकि समूची दुनिया की नदियां दुर्दशाग्रस्त हैं। पिछली गरमियों में राइन, यांग्त्सी, मिसिसिप्पी, कोलोराडो जैसी तमाम नदियों की धारा अति क्षीण हो गई थी। दुर्भाग्यवश, हम जिस तेजी से जल प्रवाहों और सरोवरों को सूखता पा रहे हैं, उसी तेजी से भूजल स्तर में भी गिरावट दर्ज हो रही है। अपने देश पर लौटते हैं। साइंस.ओआरजी में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, वर्ष 2025 तक पश्चिमोत्तर और दक्षिण भारत के इलाकों में गंभीर जल संकट पैदा होने की आशंका है। यह हतभागी सिलसिला साल-दर-साल जारी रहा, तो सन् 2050 तक समूचा देश इस विकराल समस्या से जूझ रहा होगा। जान लें, धरती की जनसंख्या की लगभग 17 फीसदी अकेले भारत में बसती है और इतनी बड़ी आबादी की जरूरतें पूरी करने के लिए हमारे पास संसार के कुल जल भंडार का सिर्फ चार प्रतिशत मौजूद है। इसके बावजूद अमेरिका और चीन, दोनों मिलकर जितने भूजल का दोहन करते हैं, उससे कहीं ज्यादा हमारे देश में किया जाता है। केंद्रीय भूमि जल बोर्ड के मुताबिक, देश के 700 में से 256 जनपदों में आत्मघाती भूजल दोहन हो रहा है। एक

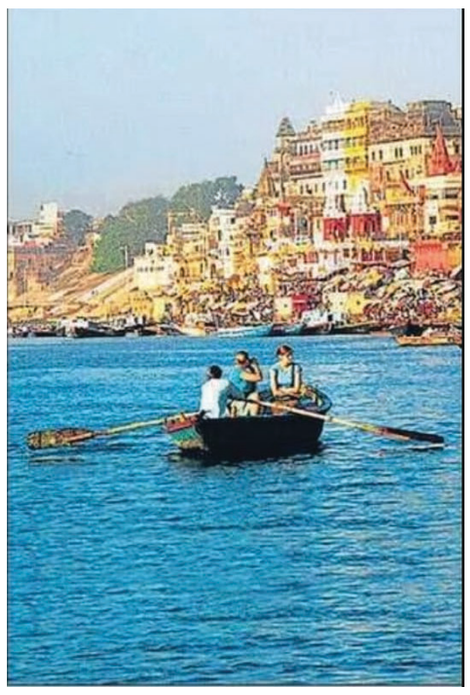

अन्य आंकड़ा बताता है कि 1960 में समूचे देश में लगभग 30 लाख ट्यूबवेल थे। अगले पचास वर्षों में, यानी 2010 तक इनकी संख्या साढ़े तीन करोड़ तक पहुंच चुकी थी। आज हाल क्या है?

पंजाब और हरियाणा के इस उदाहरण से समझिए। पिछले साल 3 फरवरी को केंद्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री विश्वेश्वर टुडू ने संसद को बताया था कि पंजाब के लगभग 80 प्रतिशत प्रखंडों को 'अति-दोहन' वाली श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय ने एक अध्ययन में पाया था कि साल 1998 से 2018 के बीच, यानी दो दशकों में राज्य के 23 में से 18 जिलों में भूजल स्तर एक मीटर से भी अधिक गिर चुका है। इसी अध्ययन में बताया गया था कि 1971 में पंजाब में एक लाख 92 हजार ट्यूबवेल थे, जो 2012 तक 10 लाख 38 हजार हो गए। राज्य में 71 फीसदी से अधिक खेतों की सिंचाई अब ट्यूबवेल से होती है और ज्यादातर छोटे किसान इनका इस्तेमाल करते हैं। इसी तरह, हरियाणा में साल 2020 में पहली बार 'हरियाणा जल-संसाधन प्राधिकरण' द्वारा गांव के स्तर पर भूजल-सर्वेक्षण कराया गया। इस सर्वे के मुताबिक, राज्य के 25.9 फीसद गांवों में भूजल स्तर गिरकर 30 मीटर या उससे भी नीचे जा चुका है। यह स्थिति डराती है।

नीति आयोग के 'कंपोजिट वाटर मैनेजमेंट इंडेक्स' के मुताबिक, इतने ज्यादा जल दोहन के बावजूद 60 करोड़ लोग पानी की समस्या से परेशान हैं। अगले आठ वर्षों में हमारी आवश्यकता दोगुनी होने जा रही है। कैसे होगी यह मांग पूरी? बरसों पहले मैंने पढ़ा था कि तीसरे विश्व युद्ध और कई देशों में विभाजन व बड़ी संख्या में जलावतनी की वजह यही पानी की कमी बनेगी। दर-बदर होने वालों की संख्या में तो अभी से बढ़ोतरी हो चली है। इससे कई मुल्कों में सामाजिक असंतुलन पैदा हो रहा है। भरोसा न हो, तो अपने ही देश के हालात पर नजर डाल देखिए। कई राज्य नदी जल बंटवारे को लेकर आपस में जूझ रहे हैं। कृष्णा, कावेरी, नर्मदा जैसी नदियों के जल को लेकर महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के बीच स्थायी विवाद बना हुआ है। कई छोटी नदियों के नाम मैंने यहां जान-बूझकर नहीं लिए, पर यह हकीकत है कि पश्चिम और दक्षिण की जो भी नदी दो या उससे अधिक राज्यों को छूती है, उसका जल तमाम तरह के विवाद उत्पन्न करता है। कृष्णा और कावेरी के जल विवाद पर तो दक्षिण के कई राज्यों में हिंसक संघर्ष हो चुके हैं। नतीजतन, कई लोगों को जान गंवानी पड़ी है।

यही नहीं, पड़ोसियों से भी हमारे रिश्ते ब्रह्मपुत्र, सिंधु और ऐसी तमाम नदियों को लेकर तल्ख बने हुए हैं। हमें शक है कि चीन ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोककर हमारे पूर्वोत्तर के राज्यों में जल संकट पैदा कर सकता है। यह भी आशंका जताई जाती है कि वह ब्रह्मपुत्र के जल पर बांध बनाकर जो जल इकट्ठा करेगा, उसे युद्ध की स्थिति में एक साथ छोड़ भी सकता है। इससे इन इलाकों में जानलेवा बाढ़ आ जाएगी और हजारों लोग मारे जाएंगे। पाकिस्तान के लोग सिंधु नदी को लेकर यही शक भारत के बारे में जताते हैं। नेपाल और बांग्लादेश के साथ भी नदियों के पानी के प्रबंधन को लेकर स्थायी खींचतान जारी है।

मतलब साफ है, प्रकृति चेता रही है। हमें अपनी रोजमर्रा की आदतों के साथ पानी के प्रयोग के सभी क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव करने होंगे। जल जीवन के लिए जरूरी है। हमें उसकी हर बूंद का सम्मान सीखना ही होगा।

फिर भला उनके शब्दों में जादुई असर कैसे न हो

टोनी रोबिन्स

वह 'फीडिंग अमेरिका' कार्यक्रम के साथ मिलकर भूखे लोगों में 32.5 करोड़ भोजन के पैकेट वितरित कर चुके हैं। वह दुनिया भर के 1,500 स्कूलों, 700 जेलों को मदद दे रहे हैं। प्रतिदिन ढाई लाख भारतीयों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के पीछे भी इस दानवीर का हाथ है। वह आज दुनिया की नामचीन हस्तियों में शुमार हैं, उनके पास एक कामयाब इंसान के पास पाई जाने वाली तमाम चीजें हैं, उनको सुनने हजारों लोग सभागारों में उमड़ आते हैं, तो करोड़ों ने उनके वीडियो-ऑडियो देखे-सुने हैं। वह हमारे दौर के उन चंद लोगों में से एक हैं, जिन्होंने हताश-निराश जिंदगियों को फिर से जीने और मुस्कराने का जज्बा सौंपा है। मगर इस मुकाम तक पहुंचने से पहले टोनी रॉबिन्स ने खुद दर्द का एक दरिया पार किया। एक बेहद मर्मांतक सफरनामे का सुखद अंजाम है टोनी का आज! आज से 63 साल पहले कैलिफोर्निया के ग्लेनडोरा में एक मजदूर परिवार में 29 फरवरी को टोनी पैदा हुए। पिता जॉन महावोरिक और मां निक्की ने तब इनका नाम एंथोनी जे महावोरिक रखा था। तीन भाई-बहनों में सबसे बड़े टोनी का बचपन कितना डरावना था, इसका अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि जब से उन्होंने होश संभाला, माता-पिता को बुरी तरह लड़ते-झगड़ते देखा। मां अक्सर पिता पर चीखा करतीं कि तुम परिवार की देखभाल नहीं करते और फिर घर में कोहराम सा मच जाता था। टोनी की कोशिश होती कि माता-पिता की लड़ाई के वक्त भाई-बहन को वह कहीं और लेकर चले जाएं, ताकि वे यह सब देखकर भयभीत व दुखी न हों, पर कई बार बच्चे इन झगड़ों के शिकार बन ही जाते।

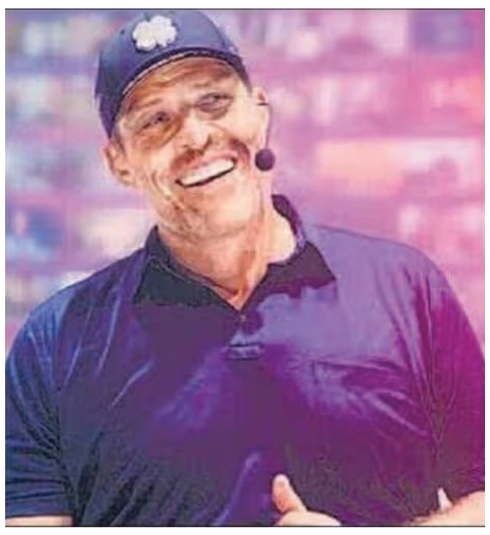

टोनी तब सात साल के थे, जब माता-पिता ने अलग होने का फैसला किया। उसके बाद उनकी मां ने कई शादियां कीं, मगर कोई भी विवाह लंबा नहीं टिकता, क्योंकि वह एक बदजुबान महिला तो थीं ही, उन्हें ड्रग्स और शराब की बुरी लत भी लग चुकी थी। हर बार उनका घर बिखर जाता और हर बार इसका खामियाजा टोनी व उनके भाई-बहन को भुगतना पड़ता। कई बार ऐसा भी हुआ कि घर में खाने को कुछ न था और वे दिन फाकाकशी में गुजारने पड़े। एक वक्त तो उनके पास छत भी नहीं बची थी, कई रातें उन्हें यहां-वहां गुजारनी पड़ीं।

उनकी मां ने जिम रॉबिन्स से जब शादी की, तब टोनी 12 साल के थे। बेसबॉल प्लेयर रह चुके जिम ने टोनी को बाकायदा कानूनी रूप से अपना बेटा कबूला था। किशोर टोनी जब ग्लेनडोरा हाईस्कूल में थे, उन्हीं दिनों में उन्हें राल्फ डब्ल्यू इमर्सन और डेल कारनेगी जैसे मशहूर लेखकों को पढ़ने का मौका मिला था। वह प्रखर वक्ता जिम रोन से भी खासा प्रभावित हुए थे, पर घर के हालात ने उन्हें आगे पढ़ने की इजाजत नहीं दी। वह कॉलेज न जा सके। छोटे भाई-बहन को भूखे न रहना पड़े, इसके लिए टोनी ने तरह-तरह के काम किए। इन सबका उनकी सेहत पर असर पड़ रहा था, मगर इस बात की सुध लेने वाला कौन था? टोनी को एक ऐसा ब्रेन ट्यूमर था, जिसका पता नहीं लग पा रहा था और चंद दिनों में ही उनका कद काफी बढ़ गया था।

वह बेहद तकलीफ में थे। उन्हें देखभाल और तवज्जो की जरूरत थी, पर एक दिन मां से किसी बात पर कहा-सुनी हो गई और उन्होंने चाकू की नोक पर टोनी को घर से निकाल दिया। तब टोनी 17 साल के थे। मां के इस बर्ताव ने ऐसा आहत किया कि वह पलटकर घर नहीं गए। एक इंटरव्यू में टोनी ने कहा भी है, 'अगर मां वैसी होतीं, जैसा मैं सोचा करता था, तो मुझे भूखे नहीं सोना पड़ता, इतनी तकलीफ नहीं उठानी पड़ती, मगर तब शायद मैं उपेक्षा का गहरा दर्द न समझ पाता और इस पीड़ा से गुजर रहे लोगों की मदद भी नहीं कर पाता।

घर से दर-बदर टोनी ने चौकीदार की नौकरी कर ली। उन्हें हफ्ते के 40 डॉलर मिला करते थे। उन्हीं दिनों की बात है। वह जहां चौकीदारी करते थे, उसके करीब ही उनके प्रिय वक्ता जिम रोन का एक सेमिनार होने वाला था। टोनी का मन उसमें जाने को मचल उठा। लेकिन सेमिनार की फीस 35 डॉलर थी। लगभग एक हफ्ते की मजदूरी! मगर टोनी ने जोखिम उठाया और फिर कुछ ऐसा हुआ कि उन्हें रोन के साथ काम करने का मौका मिल गया। लगा, जैसे कोई पुरानी साध पूरी हो गई हो। अपनी प्रतिबद्धता की बदौलत टोनी जल्द ही रोन के सहायक बन गए और उनके सेमिनारों के आयोजन को संभालने लगे। जिम रोन को बोलते देख-सुनकर और उनके प्रभावशाली अंदाज की बारीकियों पर गौर करते हुए टोनी ने बहुत कुछ सीख लिया। पढ़ने का शौक तो पहले से था ही, अब पेशेवर संवाद अदायगी का गुर भी समझ में आ चुका था। मगर सवाल यह था कि वह भी एक प्रेरणादायी वक्ता बन सकते हैं, इसको परखा कैसे जाए? टोनी ने इसके लिए उसी सड़क की मदद ली, जो संघर्ष के दिनों में उनकी पनाहगाह बनी थी। वह सड़कों पर मजमा लगाने लगे। लोगों को उनकी तकरीरें छू जातीं, उनका अंदाज लुभा जाता।

महज 26 साल की उम्र में टोनी एक 'बेस्ट सेलिंग ऑथर' और करोड़पति बन चुके थे। करीब 100 मुल्कों के पांच करोड़ लोग ऑडियो-वीडियो के जरिये या सेमिनारों में आमने-सामने टोनी के व्याख्यानों से लाभ उठा चुके हैं। उनकी कामयाबी के ब्योरे फोर्ब्स की सौ प्रभावशाली शख्सियतों की सूची से लेकर हॉलीवुड फिल्मों में अतिथि भूमिका निभाने; और दुनिया की अनेक अजीम हस्तियों की कोचिंग से हजारों करोड़ के व्यवसाय तक पसरे हैं। टोनी की कंपनियां सालाना तीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करती हैं।

मगर टोनी रॉबिन्स के जीवन की सार्थकता इससे आगे दिखती है। पिछले तीन वर्षों में वह 'फीडिंग अमेरिका' कार्यक्रम के साथ मिलकर भूखे लोगों में 32.5 करोड़ भोजन के पैकेट वितरित कर चुके हैं। वह दुनिया भर के 1,500 स्कूलों, 700 जेलों को मदद दे रहे हैं। यही नहीं, प्रतिदिन ढाई लाख भारतीयों को स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के एक कार्यक्रम के पीछे भी इस दानवीर का हाथ है। फिर भला इनके लफ्जों में जादुई असर कैसे न होगा!

प्रस्तुति चंद्रकांत सिंह

मैं राधा बन जाऊं और तुम कृष्ण

उदय शंकर, महान भारतीय नर्तक

कहा जाता है कि एक कला दूसरी को अनायास अपनी ओर खींचती है। यही हुआ, एक दिन एक विख्यात नर्तकी का बुलावा आया। उस दौर में सबसे बेहतरीन बैले नर्तकी थीं अन्ना पावलोवा, रूसी थीं, पर ब्रिटेन में बस गई थीं। अपनी नृत्य मंडली के साथ दुनिया घूमती रहती थीं। ताजा-ताजा भारत से लौटकर आई थीं और भारत की स्नेहिल माटी उनके मन, वसन से झड़ जाने को तैयार न थी। उन्हें लगने लगा था कि उनके कला कोश में कुछ भारतीय भी जरूर होना चाहिए। ऐसी महान बैलेरीना अन्ना पावलोवा ने उस कला छात्र को बुलाया था कि भारत का कुछ सुंदर कैसे हासिल हो पाए। खैर, क्या खूब सत्संग हुआ!

तुम्हें पता है, तुम्हारे भारत में कितना नृत्य है? पोर-पोर में गीत है। दे गए हैं ऋषि, तपस्वी बहुत आदि विद्या, पर विद्या का होना ही महत्वपूर्ण नहीं, उस विद्या से आपने अपने लिए क्या गढ़ा, यह ज्यादा मायने रखता है। मतलब, अपने देश से प्यार कौन-सी बड़ी बात है, सबको होता है, पर सार्थकता तब है, जब प्यार ठीक से निभा दिया जाए। खजाना मिल जाना बड़ी बात नहीं, खजाने को बचाना-बढ़ाना ही सब कुछ होता है।

फूल से भी सुंदर वह महान नृत्यांगना जब समझा रही थीं, तब शायद भारत में कहीं पहुंच गई थीं और उस युवा को बनारस, उदयपुर याद आ रहा था। कैसे सारंगी बजाने वाले गाते-गाते नाचने लगते हैं। बजाना गाने में गुलजार होता है और गाना नाचने में साकार। हमारे यहां लोग यूं ही नहीं नाचते हैं, यहां देवता भी खूब बजाते, गाते, नाचते हुए हैं। तांडव से लीला तक हमने उन्हीं से सब सीखा है। शिव-पार्वती से राधा-कृष्ण तक। वह नृत्यांगना चकित हैं कि देवता भी नाचते हैं! नाचना भक्ति है और शक्ति भी। वह चहककर सवाल करती हैं कि क्या हम वैसा ही कुछ कर सकते हैं, जैसे मैं राधा बन जाऊं और तुम कृष्ण? अब वह युवा अचंभित है, कभी छोटी-बड़ी खुशी में इधर-उधर कमर

मटकाने और मंच पर नाचने में बड़ा अंतर है। महान नृत्यांगना मुझे कृष्ण बनाकर नचाना चाहती हैं। यह अवसर कैसे जाने दिया जाए? इस एक मुलाकात ने जीवनधारा को बदलकर रख दिया। कृष्ण बनकर नाचना है, तो सोचना पड़ेगा कि कृष्ण कैसी दैवीय भाव कुशलता से नाचते होंगे। युवा ने जब नाचने में डूबना शुरू किया, तब कला की पढ़ाई पीछे रह गई। वह याद करने लगा कि पिता के नियोक्ता, झालावाड़ के राजा के महल में नर्तकियां कैसी कोमलता के साथ सुरताल में नाचती थीं।

अन्ना पावलोवा तो स्वयं बैले नृत्य की विख्यात गुरु थीं। उनका पूरा शरीर किसी हंस की तरह मनोरम लय में लहराता था, जैसे स्वर्ग से कोई अप्सरा दबे पांव उतर रही हो, आहिस्ता। पैरों की उंगलियों के बल पर धरती का सहारा लिए और हाथों को फैलाए लंबी सुंदर उंगलियों से पूरा संसार टटोलते हुए।

देख-देखकर वह युवा भी नाचने लगा कि हे ईश्वर, यह नृत्य तुम्हारे प्रति आभार प्रदर्शन ही है कि तुमने हमें जन्म दिया। रूस की नृत्यांगना और भारत का युवा, दोनों राधा और कृष्ण बनकर क्या खूब नाचे! जल्दी ही लोगों ने पहचानना शुरू कर दिया कि जो युवा कृष्ण बनते हैं, उनका नाम उदय शंकर है। जोड़ी मशहूर हो चली। कहा जाता है, राधाजी कृष्ण से उम्र में बड़ी थीं, तो यहां पावलोवा भी उदय शंकर से उन्नीस साल आगे थीं।

दोनों साल भर दुनिया में जगह-जगह नृत्य प्रदर्शन करते रहे। उदय शंकर (1900-1977) ने सीख लिया कि कैसे नृत्य मंडली को संजोया जाता है। दुनिया भर में उनके खूब प्रशंसक और मित्र बने। 25 की उम्र में उन्होंने अपनी नृत्य मंडली की स्थापना की और दुनिया में जगह-जगह गए। ऐसा आकर्षक नृत्य, जिसमें शास्त्र भी था, लोक भी और थोड़ा-सा रूसी बैले भी। उनके नृत्य समूह में उनके छोटे भाई रवि शंकर भी शामिल थे, जो बाद में विख्यात सितार वादक हुए। आज भी जब आधुनिक भारतीय नृत्य की चर्चा होती है, तब उदय शंकर को पितामह के रूप में याद किया जाता है।

प्रस्तुति ज्ञानेश उपाध्याय

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

कैंसर पीड़ितों ने इससे जंग जीतने की अपनी कहानी साझा की

क्षेत्रीय कैंसर संस्थान ने कैंसर को मात देने वाले मरीजों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व कैंसर दिवस पर आज क्षेत्रीय कैंसर संस्थान, डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक करने सुबह साढ़े छह बजे से तेलीबांधा तालाब से क्षेत्रीय कैंसर संस्थान तक मैराथन 'कैनेथान' का आयोजन किया गया।

इसमें अस्पताल के कर्मचारियों के साथ मेडिकल कॉलेज के 250 छात्रों ने हिस्सा लिया। इसमें डिकेथलॉन द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे प्रतिभागियों को पुरस्कार के रूप में क्रमशः तीन हजार रूपए, दो हजार रूपए तथा एक हजार रूपए की राशि प्रदान की गई। कैंसर के प्रति जन-जागृति फैलाने पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें कैंसर विभाग में उपचाररत बच्चों, मेडिकल छात्रों और अस्पताल के कर्मचारियों के बच्चों ने हिस्सा लिया। पोस्टर प्रतियोगिता में छोटे बच्चों की श्रेणी में ईशान्या ने प्रथम एवं नव्या ने द्वितीय स्थान हासिल किया। वहीं सीनियर वर्ग में राहुल मरावी प्रथम, डॉ. अवधेश भारत द्वितीय और हेमलता तृतीय स्थान पर रहीं। लोनी एवं शुभांगी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। क्षेत्रीय कैंसर संस्थान में उपचार प्राप्त और स्वस्थ हुए बच्चों व वयस्कों को आज सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दो वर्ष की उम्र से लेकर 80 वर्ष तक की उम्र वाले कुल 80 मरीज शामिल हुए। कार्यक्रम में राज्य के सुदूर उत्तर से लेकर दक्षिण हिस्से से आए मरीजों ने कैंसर से जंग जीतने और इस दौरान इलाज करने वाले डॉक्टरों के योगदान को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कैंसर के विरूद्ध जीत हासिल करने में अहम भूमिका निभाने वाले डॉक्टरों, नर्सिंग स्टॉफ और पैरामेडिकल स्टॉफ का शुक्रिया अदा किया।

पाटन के बुनकर भवन का होगा जीर्णोद्धारः मुख्यमंत्री बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पाटन का बुनकर भवन अभी अच्छी स्थिति में नहीं है। इसे ठीक करने की कार्यवाही होगी ताकि अधिकाधिक संख्या में लोगों को रोजगार मिल सके। कलेक्टर यहां निरीक्षण कर इसे बेहतर करने की दिशा में कार्रवाई करेंगे। यह बात मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने परमेश्वरी जयंती के अवसर पर पाटन में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम में कही।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि देवांगन समाज द्वारा हर वर्ष पाटन में परमेश्वरी जयंती का आयोजन होता है। आप लोग बहुत स्नेह से आमंत्रित करते हैं। आपका समाज खेती से, बुनकरी से जुड़ा है। हमने इस साल 107 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा है और यह सब बहुत सुविधापूर्ण ढंग से हुआ है। इस वर्ष साढ़े 23 लाख किसानों ने धान बेचा है। धान उगाने वाले किसान और इसका रकबा बहुत तेजी से बढ़ गया है। यह सब हो सका है हमारी सरकार की योजनाओं से। बस्तर में डैनेक्स हम लोगों ने आरम्भ किया है। बस्तर में वस्त्र व्यवसाय को लेकर बढ़िया काम हुआ है। हम लोग रीपा अर्थात ग्रामीण औद्योगिक पार्क बना रहे हैं जिसमें आपके जैसे उद्यमी समाजों के लिए बढ़िया अवसर हैं। पाटन में हमने 9 सैजेस स्कूल आरम्भ किये हैं। आपका समाज बहुत मेहनतकश समाज है इसलिए ही आपको महाजन कहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले यहां 2 ही सामाजिक भवन था। आपके सामाजिक भवन का निर्माण हुआ, फिर इसका जीर्णोद्धार भी हुआ। आपके समाज की प्रगति अच्छी लगती है।

पाटन का विकास भी देखकर बहुत अच्छा लगता है। यहां खेती किसानी के साथ व्यवसाय भी तेजी से बढ़ रहा है।

समाज के अध्यक्ष श्री बलदाऊ भाले ने अपना संबोधन इस मौके पर दिया और मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर श्री हेमंत देवांगन एवं अन्य पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

खास खबर

रूरल इंडस्ट्रियल पार्क से ग्रामीण उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा - कलेक्टर

मोहला। कलेक्टर एस जयवर्धन ने जनपद पंचायत कार्यालय मोहला में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क रीपा योजनांतर्गत एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का शुभारंभ किया। कलेक्टर एस जयवर्धन ने कहा कि रूरल इंडस्ट्रियल पार्क शासन की महत्वपूर्ण योजना है। जिसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्यम को बढ़वा मिलेगा तथा रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। महिला स्वसहायता समूह के साथ ही, उद्यमी तथा युवा रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के विभिन्न गतिविधियों में शामिल होंगे। इस कार्यशाला के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षण का बेहतरीन अवसर मिला है। इससे ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। सभी चयनित हितग्राही इस महत्वपूर्ण योजना के क्रियान्वयन में सहभागिता के साथ ईमानदारीपूर्वक कार्य करें। उन्होंने कहा कि जिले में 6 रीपा ग्राम नाडेकल, झरन, भर्रीटोला, सरखेड़ा, खुर्शीटिकुल, सरखेड़ा में स्थापित किए जा रहे हैं। विभिन्न विभागों के समन्वय से रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का कार्य यहां संचालित होगा। इस प्रशिक्षण के माध्यम से विभिन्न कार्यों के लिए चिन्हांकित हितग्राहियों को कार्य के संबंध में जानकारी मिलेगी। जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार ने कहा कि शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क की परिकल्पना को मूर्त रूप दिया जा रहा है तथा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में कदम आगे बढ़ाए गए हैं। इस प्रशिक्षण के माध्यम से विभिन्न सत्र में विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। जहां बैंक लिंकेज की सुविधा, मार्केटिंग सहित कार्य प्रणाली के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर 150 प्रतिभागी तथा विभिन्न शासकीय विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहें। जिला उद्योग एवं व्यापार, उद्यानिकी, पशु विभाग, कृषि विभाग, रेशम पालन विभाग, लीड बैंक मैनेजर, हथकरघा विभाग, एनआरएलएम विभाग द्वारा विभागीय योजनाओं तथा सब्सिडी स्कीम के विषय में जानकारी दी गयी। विभिन्न सामग्री के निर्माण संबंधी विडियो दिखाये गए।

मुख्यमंत्री ने की नवा रायपुर में विश्वस्तरीय कबीर संस्थान बनाने की घोषणा

कबीरदास साहेब की मानव सेवा के सीख की राह पर चल रही है छत्तीसगढ़ सरकार-मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज खरसिया में पंथश्री हुजूर मुकुंदमणिनाम साहेब स्मृति महोत्सव एवं एकोत्तरी चौका आरती महायज्ञ में शामिल हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने नवा रायपुर में विश्व स्तरीय कबीर संस्थान के निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे संस्थान का निर्माण करेंगे, जहां एक ही स्थान पर कबीर स्मारक के साथ संग्रहालय और शोध पीठ भी होगा। कार्यक्रम कबीर पंथ के गुरु पं श्री हुजूर अर्धनाम साहेब जी, आचार्य, श्री कबीर धर्म स्थान ट्रस्ट खरसिया व श्री धर्माधिकारी साहेब की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री चरणदास महंत, गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, उच्च शिक्षामंत्री श्री उमेश पटेल, विधायक डोंगरगांव श्री दलेश्वर साहू, श्री संदीप साहू, अध्यक्ष तेलघानी बोर्ड भी सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस मौके पर कहा कि कबीर साहेब ने आज से 600 साल पहले जो सीख दी है वे आज भी उतने ही प्रासंगिक और समाज को दिशा दिखाने वाली है, इसलिए आज उनके मानने वाले देश-विदेश में फैले हुए हैं। उन्होंने बताया कि गुरुओं का हमारे जीवन में ईश्वर के समकक्ष स्थान होता है। कबीरदास जी ने स्वयं अपने दोहे में कहा है कि जब गुरु और गोविंद (ईश्वर) दोनों एक साथ मिले तो पहले गुरुओं के चरण स्पर्श करें क्योंकि उन्होंने ही हमारा ईश्वर से परिचय करवाया है। जब तक गुरुओं का आशीष न मिले, मोक्ष नही मिल सकता है। कबीरदास जी ने समाज के पाखंड और विकृतियों को अपनी वाणी से दूर करने का कार्य किया और सरल जीवन व्यतीत करने की राह दिखाई। छत्तीसगढ़ में कबीर को मानने वाले बड़ी संख्या में हैं। उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति तक सभी को साथ लेकर चलने की सीख दी।

छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए योजनाएं बना और संचालित कर रही हैं। किसानों, श्रमिकों के लिए योजनाएं बनाई गई हैं। छत्तीसगढ़ में लघु वनोपज संग्रहण का काम बड़े पैमाने कर होता है। इसको देखते हुए प्रदेश में 65 लघु वनोपजों का समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है। आज छत्तीसगढ़ देश का सबसे बड़ा वनोपज संग्राहक प्रदेश बन गया है। देश के कुल संग्रहण का 74 प्रतिशत छत्तीसगढ़ से ही हो रहा है। किसानों को उनके फसलों के बेहतर दाम मिल रहे हैं। इस साल धान की रिकार्ड तोड़ खरीदी की गयी है। गोधन न्याय योजना से गोबर खरीदी कर उससे वर्मी कम्पोस्ट और अब पेन्ट भी बनाया जा रहा है। भूमिहीन श्रमिकों को सहायता के साथ शिक्षा के बेहतर अवसर व स्वास्थ्य सुविधाओं की सुलभ पहुंच भी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कबीर संस्थान ट्रस्ट खरसिया की मांग पर उन्हें आवेदन की हुई भूमि उपलब्ध करवाने के निर्देश कलेक्टर रायगढ़ को दिए। कार्यक्रम को विधानसभा अध्यक्ष श्री चरण दास महंत व गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने भी संबोधित किया। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती राधा सुनील शर्मा, श्रीमती नयना गबेल, श्री मनोज गबेल, श्री सुनील शर्मा सहित देश-विदेश से पहुंचे हुए कबीर पंथ के अनुयायी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि आचार्यगद्दी श्री कबीर-धर्म स्थान खरसिया कबीरपंथ की गौरवशाली धर्मदासीय परम्परा की सबसे बड़ी गद्दी है। यहां से पूरे विश्व में कबीर साहेब के मूल ज्ञान और उपदेश का प्रचार-प्रसार किया जाता है। पंथश्री हुजूर मुकुन्दमणिनाम साहेब धर्मदासीय वंश व्यालिस परम्परा के सत्रहवें वंशगुरू है। उन्हीं की स्मृति में स्मृति महोत्सव भंडारा एवं कबीरपंथ की सबसे बड़ी पूजा एकोत्तरी चौका आरती का आयोजन किया जा रहा है। इस महा महोत्सव में देश-विदेश से हजारों की संख्या में संत-महंत, भक्त श्रद्धालु जन पधारे हुए हैं।

समाजिक कार्य कर दी पत्नी को श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शिक्षा विभाग में कार्यरत सत्येंद्र राजपूत ने अपनी पत्नी श्रीमती शारदा राजपूत की पुण्य तिथि के अवसर पर चोपड़ा पैलेस में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। सत्येंद्र राजपूत ने अपनी पत्नी की याद में जिले में कार्य कर रही समाज सेवी संस्थाओं नवदृष्टि फाउंडेशन,सेवा भारती मातृछाया,प्रशामक देख रेख,राजपूत क्षत्रीय महासभा छत्तीसगढ़,जन समर्पण सेवा संस्था को 11000-11000 की सहयोग राशि जनहित के कार्यों हेतु दी एवं सभी आगंतुकों को फलदार पौधे स्मृति स्वरुप दिए। सत्येंद्र राजपूत ने कहा उनकी पत्नी शारदा का झुकाव शुरू से ही सामाजिक कार्यों में रहा अतः हमने उन्हें श्रद्धांजलि देने समाजिक संस्थाओं को सहयोग करने का निर्णय लिया ताकि उनकी आत्मा को शांति मिले। कुलवंत भाटिया ने कहा शारदा राजपूत की इच्छा थी की उनकी मृत्यु के बाद उनके नेत्रदान कर दिए जाएं किन्तु दुर्भाग्य से कोरोना संक्रमण के कारण उनकी मृत्यु हुई और प्रोटोकाल के कारण उनकेनेत्रदान नहीं हो सके,सत्येंद्र राजपूत समय समय पर सामाजिक संस्थाओं का सहयोग करते हैं एवं श्रद्धांजलि के माध्यम से उन्होंने समाज को सन्देश भी दिया है राज आढ़तिया ने कहा राजपूत परिवार के सदस्य शारदा राजपूत की स्मृति में हर तीन माह में रक्तदान करते हैं एवं जरुरत मंद लोगों की सेवा हेतु सदा तत्पर रहते हैं श्रद्धांजलि सभा में नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से राज आढ़तिया,हरमन दुलाई,रितेश जैन,कुलवंत भाटिया,प्रमोद वाघ,डॉ सुधीर हिशीकर जनसमर्पण के बंटी शर्मा व् अन्य सामाजिक व् पारिवारिक लोगो ने बड़ी संख्या में उपस्थित हो कर शारदा राजपूत को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री बघेल नवचेतना जागरण 108 कुण्डलीय गायत्री महायज्ञ में शामिल हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज रायगढ़ जिले के ग्राम बैसपाली में नवचेतना जागरण 108 कुण्डलीय गायत्री महायज्ञ और रचनात्मक नवाकल्प का शिलान्यास-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री बघेल ने मुख्य मंच पर वेद माता मां गायत्री की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू और उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गायत्री परिवार न केवल देश बल्कि विश्व के सबसे बड़े परिवारों में से एक है। श्रीराम शर्मा आचार्य के द्वारा लिखी गयी पुस्तक में समाज के लिए प्रेरणादायी संदेश है। उन्होंने कहा कि वे विलक्षण व्यक्तित्व के धनी, चिंतक, दार्शनिक एवं महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उनके द्वारा लिखी किताबों में जीवन जीने की शैली, आहार-व्यवहार सहित दैनिक दिनचर्या के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है। उनके योगदान के लिए समाज सदैव ऋणी रहेगा।

आत्मरक्षा के लिए छात्रों को कराते का दिया जा रहा ज्ञान प्रशिक्षण

कोरबा। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पुरानी बस्ती कोरबा एवं प्राथमिक शाला पुरानी बस्ती कोरबा के छात्रों को आत्मरक्षा हेतु कराते का ज्ञान प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के 30 दिन पूरे होने पर रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजक जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा संयोजक सेल्फ डिफेंस छत्तीसगढ़ विद्यालय के छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया। अशोक यादव, शिव पटेल, कुमारी गरिमा साहू, कुमारी प्रगति महंत के द्वारा बच्चों को आत्मरक्षा का ज्ञान प्रशिक्षण कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधान पाठक जे.पी.कोसले को शील्ड भेंट कर सम्मानित किया गया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

जल जीवन मिशन के कार्यों का हो रहा तेजी से क्रियान्वयन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के तहत राज्य के ग्रामीण अंचलों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जल जीवन मिशन के कार्यों का तेजी से क्रियान्वयन किया जा रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने मिशन के कार्यों को समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। जिसके परिपालन में मैदानी इलाके में वरिष्ठ अधिकारी द्वारा जल जीवन मिशन के कार्यों का फीडबैक ले रहे हैं।

इसी कड़ी में कबीरधाम जिले के कलेक्टर जनमेजय महोबे ने जल जीवन मिशन के कार्यों की गुणवत्ता की जांच करने के लिए पंडरिया विकासखण्ड के सूदूर ग्रामों का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिले के मैदानी सहित वनांचल के कुल 957 ग्रामों में जल जीवन मिशन के तहत घर-घर पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्टर श्री महोबे ने कांपादाह में नवनिर्मित पानी टंकी की भी जांच की। इसके बाद दुल्लापुर के यादव पारा में औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वे यह देखने आए है कि आप लोगों के घरों के आंगन में जल जीवन मिशन के तहत नल लगा हुआ है कि नही। और उन नलों में पानी की सप्लाई सही ढंग से आ रही है कि नही। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी, एसडीओ और जनपद सीईओ उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री महोबे ने भागवत यादव के आंगन में लगे नल को चालू कर के देखा। नल में पानी आ रहा था। ग्रामीण भागवत यादव ने बताया कि घर में नल लगने से घर में पानी की समस्या और चिंता दूर हो गई है। पहले गांव में सार्वजनिक हैण्डपंप से पीने के लिए पानी लाते थे। अब घर के आंगन में पानी की व्यवस्था होने से पानी की चिंता दूर हो गई है। कलेक्टर ने इसके बाद श्रीमती सरस्वती चन्द्रवंशी के घर पहुंच कर वहां लगे नल की जांच की।

मिलेट ऑन व्हील्स को सीएम बघेल ने दिखाई हरी झंडी, प्रदेश का पहला मोबाइल मिलेट कैफे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायगढ़ जिले के खरसिया में प्रदेश के पहले मोबाईल मिलेट कैफे 'मिलेट ऑन व्हील्स' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उच्च शिक्षामंत्री उमेश पटेल व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मौके पर रागी से बना केक काटा। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे मिलेट के उपभोग के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने इस मोबाइल कैफे का संचालन करने वाली महिला समूह को अपनी शुभकामनाएं दीं।

गौरतलब है कि जिला प्रशासन रायगढ़ की पहल पर शुरू हुआ यह 'मिलेट ऑन व्हील्स' कैफे एक चलता फिरता मिलेट कैफे होगा। जिसमें रागी, कोदो, कुटकी से बने लजीज व्यंजन परोसे जायेंगे। इसे अनुभव महिला समूह संचालित करेगा। इस मोबाइल मिलेट कैफे में रागी का चीला, डोसा, मिलेट्स पराठा, इडली, मिलेट्स मंचूरियन, पिज्जा, कोदो की बिरयानी और कुकीज जैसे पकवान चखने को मिलेंगे। गौरतलब है कि मोटे अनाजों के उत्पादन और उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर मिलेट मिशन चलाया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट ईयर के रूप में मनाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में कोदो, कुटकी, रागी की समर्थन मूल्य पर की जा रही है खरीदी

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में मिलेट्स को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में कोदो, कुटकी और रागी का ना सिर्फ समर्थन मूल्य घोषित किया गया अपितु समर्थन मूल्य पर खरीदी भी की जा रही है। इस पहल से छत्तीसगढ़ में मिलेट्स का रकबा डेढ़ गुना बढ़ा है और उत्पादन भी बढ़ा है। मुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसगढ़ विधानसभा में विधायकों और मीडिया के लिए मिलेट्स से बने व्यंजनों को बढ़ावा देने के लिए दोपहर भोज का भी आयोजन किया जा चुका है। छत्तीसगढ़ में मिलेट कैफे भी प्रारंभ हो चुका है। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के नथिया-नवागांव में मिलेट्स का सबसे बड़ा प्रोसेसिंग प्लांट भी स्थापित किया जा चुका है। मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए गौठानों में विकसित किए जा रहे रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में मिलेट्स प्रोसेसिंग प्लांट लगाए जा रहे हैं।

राजिम माघी पुन्नी मेलाः आस्था, आध्यात्म और संस्कृति का त्रिवेणी संगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में स्थित पवित्र धार्मिक नगरी राजिम में प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक पंद्रह दिनों का मेला लगता है। राजिम में तीन नदियों का संगम है इसलिए इसे त्रिवेणी संगम भी कहा जाता है, यहां मुख्य रूप से तीन नदियां बहती हैं, जिनके नाम क्रमशः महानदी, पैरी नदी तथा सोंढूर है। संगम स्थल पर कुलेश्वर महादेव जी विराजमान है। राज्य शासन द्वारा वर्ष 2001 से राजिम मेले को राजीव लोचन महोत्सव के रूप में मनाया जाता था, वर्ष 2005 से इसे कुम्भ के रूप में मनाया जाता रहा था, और अब 2019 से राजिम माघी पुन्नी मेला के रूप में मनाया जा रहा है।

यह आयोजन छत्तीसगढ़ शासन धर्मस्व एवं पर्यटन विभाग एवं स्थानीय आयोजन समिति के तत्वाधान में होता है। मेला की शुरुआत कल्पवास से होती है। पखवाड़े भर पहले से श्रद्धालु पंचकोशी यात्रा प्रारंभ कर देते हैं पंचकोशी यात्रा में श्रद्धालु पटेश्वर, फिंगेश्वर, ब्रम्हनेश्वर, कोपेश्वर तथा चम्पेश्वर नाथ के पैदल भ्रमण कर दर्शन करते हैं तथा धुनी रमाते हैं। 101 कि?मी? की यात्रा का समापन होता है और माघ पूर्णिमा से मेला का आगाज होता है। इस वर्ष 5 फरवरी माद्य पूर्णिमा से 18 फरवरी 2023 महाशिवरात्रि तक राजिम माद्यी पुन्नी मेला आयोजित किया गया है।

राजिम माघी पुन्नी मेला में विभिन्न जगहों से हजारों साधू संतों का आगमन होता है, प्रतिवर्ष हजारो की संख्या में नागा साधू, संत आदि आते हैं, तथा विशेष पर्व स्नान तथा संत समागम में भाग लेते हैं, प्रतिवर्ष होने वाले इस माघी पुन्नी मेला में विभिन्न राज्यों से लाखों की संख्या में लोग आते हैं और भगवान श्री राजीव लोचन तथा श्री कुलेश्वर नाथ महादेव जी के दर्शन करते हैं और अपना जीवन धन्य मानते हैं। लोगो में मान्यता है कि भगवान जगन्नाथपुरी की यात्रा तब तक पूरी नही मानी जाती, जब तक भगवान श्री राजीव लोचन तथा श्री कुलेश्वर नाथ के दर्शन नहीं कर लिए जाते, राजिम माघी पुन्नी मेला का अंचल में अपना एक विशेष महत्व है।

राजिम अपने आप में एक विशेष महत्व रखने वाला एक छोटा सा शहर है। राजिम गरियाबंद जिले का एक तहसील है। प्राचीन समय से राजिम अपने पुरातत्वों और प्राचीन सभ्यताओं के लिए प्रसिद्ध है। राजिम मुख्य रूप से भगवान श्री राजीव लोचन के मंदिर के कारण प्रसिद्ध है। राजिम का यह मंदिर आठवीं शताब्दी का है। यहां कुलेश्वर महादेव का भी मंदिर है। जो संगम स्थल पर विराजमान है। राजिम माघी पुन्नी मेला प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक चलता है। इस दौरान प्रशासन द्वारा विविध सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजन होते हैं।

Electric Vehicle Policy

888 हितग्राहियों को डेढ़ करोड़ रूपए से अधिक राशि के सब्सिडी का वितरण

छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिक वाहन को बढ़ावा देने वाहन के मूल्य का 10 प्रतिशत सब्सिडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। परिवहन विभाग द्वारा राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2022 के तहत हितग्राहियों को सब्सिडी का वितरण निरंतर किया जा रहा है। इस तारतम्य में अभी 888 इलेक्ट्रिक वाहन स्वामियों को 01 करोड़ 55 लाख 90 हजार 515 रूपए की राशि के सब्सिडी का वितरण जारी है। इसके पहले प्रथम चरण अंतर्गत माह दिसम्बर में राज्यभर के 404 हितग्राहियों को 80 लाख रूपए से अधिक राशि के सब्सिडी का वितरण हो चुका है।

इस संबंध में परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिक वाहन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप हर संभव पहल की जा रही है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति जो इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदता है, वह राज्य शासन से सब्सिडी प्राप्त कर सकता है। इसके लिए वाहन विक्रेता डीलर को अपना अकाउंट नंबर और आईएफएस कोड देना होगा। वाहन के मूल्य का 10 प्रतिशत जो अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक हो सकता है, इलेक्ट्रिक वाहन क्रेता के खाते में परिवहन विभाग द्वारा सीधे हस्तांतरित किए जाएंगे।

परिवहन मंत्री अकबर ने यह भी अवगत कराया है कि वर्तमान में वायु प्रदूषण की वैश्विक समस्या के मद्देनजर अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की सख्त जरूरत है। इसके मद्देनजर छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिक वाहनों से संबंधी मिशन को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा हर संभव मदद उपलब्ध कराई जा रही है। इस तारतम्य में ग्राहकों को इलेक्ट्रिक वाहन की ओर आकर्षित करने के लिए सब्सिडी का वितरण किया जा रहा है, जो निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहन देने के लिए लोगों को विभिन्न सुविधाएं तथा आवश्यक मदद पहुंचाई जा रही है।

परिवहन आयुक्त दीपांशु काबरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में राज्य के विभिन्न जिलों से 888 इलेक्ट्रिक वाहन स्वामियों को डेढ़ करोड़ रूपए से अधिक राशि के सब्सिडी का वितरण जारी है। अभी वितरित किए जा रहे सब्सिडी में सबसे अधिक बिलासपुर अंतर्गत 401 हितग्राहियों को 72 लाख 78 हजार रूपए, रायपुर अंतर्गत 201 हितग्राहियों को 40 लाख रूपए तथा बलौदाबाजार अंतर्गत 86 हितग्राहियों को 10 लाख रूपए का सब्सिडी प्रदान किया गया है। इसी तरह दुर्ग अंतर्गत 74 हितग्राहियों 12 लाख 4 हजार रूपए, जांजगीर अंतर्गत 43 हितग्राहियों को 4 लाख 64 हजार रूपए, जशपुर अंतर्गत 36 हितग्राहियों को 3 लाख 82 हजार रूपए, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही अंतर्गत 26 हितग्राहियों को 3 लाख 25 हजार रूपए, महासमुंद अंतर्गत 18 हितग्राहियों को 7 लाख 40 हजार रूपए और मुंगेली अंतर्गत 3 हितग्राहियों को एक लाख 69 हजार रूपए की राशि के सब्सिडी का वितरण शामिल है।

हाफ बिजली बिल योजनाः छत्तीसगढ़ में 65 लाख से ज्यादा परिवारों को मिल रहा रियायती बिजली का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिजली उत्पादन में अग्रणी छत्तीसगढ़ राज्य में 65 लाख से ज्यादा परिवारों को रियायती बिजली का लाभ मिल रहा है। इन परिवारों में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर लागू की गई हॉफबिजली बिल योजना से लाभान्वित 41.94 घरेलू बिजली उपभोक्ता, 16.82 लाख बी.पी.एल बिजली उपभोक्ता, 6.26 लाख से ज्यादा किसान शामिल हैं। हाफ बिजली बिल योजना के अंतर्गत घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति माह की गई 400 यूनिट तक की बिजली की खपत पर प्रभावशील विद्युत की दर के आधार पर आधे बिल की राशि की छूट दी जा रही है।

हाफ बिजली बिल योजना में चार वर्षों में घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 3236.59 करोड़ रूपए की छूट दी जा चुकी है। इसी तरह कृषक जीवन ज्योति योजना के तहत किसानों को तीन अश्वशक्ति तक के कृषि पंप के बिजली बिल में 6000 यूनिट प्रतिवर्ष तथा 3 से 5 अश्वशक्ति के कृषि पंपों के बिजली बिल में 7500 यूनिट प्रतिवर्ष की छूट दी जा रही है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के किसानों द्वारा खेती में उपयोग की जा रही बिजली को निःशुल्क रखा गया है। बी.पी.एल. बिजली उपभोक्ताओं को प्रति माह 30 यूनिट बिजली निःशुल्क दी जा रही है। पिछले चार सालों में घरेलू बिजली उपभोक्ताओं और बी.पी.एल.बिजली कनेक्शनधारी हितग्राहियों को 1973 करोड़ रूपए से ज्यादा की छूट मिल चुकी है। साथ ही कृषक जीवन ज्योति योजना के अंतर्गत पिछले चार सालों में 6.26 लाख से ज्यादा किसानों को बिजली पर 10,400 करोड़ रूपए का अनुदान दिया जा चुका है।

किसानों को 10,400 करोड़ रुपए की छूट

कृषक जीवन ज्योति योजना के अंतर्गत स्थायी एवं अस्थायी बिजली कनेक्शन वाले किसानों को तीन अश्वशक्ति तक के कृषि पंप के बिजली बिल में 6000 यूनिट प्रतिवर्ष तथा 3 से 5 अश्वशक्ति के कृषि पंपों के बिजली बिल में 7500 यूनिट प्रतिवर्ष की छूट दी जा रही है। योजना में फ्लैट रेट का विकल्प चुनने वाले किसानों को उनके द्वारा की गई विद्युत खपत की कोई सीमा न रखते हुए मात्र 100 रूपए प्रति अश्वशक्ति की दर से बिजली बिल का भुगतान करना होगा। योजना में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के किसानों के लिए विद्युत खपत की कोई सीमा नहीं रखी गई है। योजना में कृषकों को 5 अश्वशक्ति द्वितीय पंप के लिए 200 रूपए प्रति अश्वशक्ति प्रतिमाह, 5 अश्वशक्ति से अधिक प्रथम एवं द्वितीय पंप के लिए 200 रूपए प्रति अश्वशक्ति प्रतिमाह, 5 अश्वशक्ति एवं 5 अश्वशक्ति से अधिक तृतीय एवं अन्य पंप के लिए 300 रूपए प्रति अश्वशक्ति प्रतिमाह की दर से बिल भुगतान के लिए सुविधा प्रदान की गई है। योजना में शासन की ओर से पिछले चार वर्षों में किसानों को 10,400 करोड़ रूपए का अनुदान दिया गया है। वर्तमान में 6.26 लाख पंप उपभोक्ताओं को छूट दी जा रही है।

42 लाख परिवारों को मिल रहा हाफबिजली बिल का लाभ

प्रदेश में संचालित हाफ बिजली बिल योजना के अंतर्गत घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति माह की गई 400 यूनिट तक की बिजली की खपत पर प्रभावशील विद्युत की दर के आधार पर आधे बिल की राशि की छूट दी जा रही है। हाफबिजली बिल योजना में अब तक घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 3236.59 करोड़ रुपए की छूट दी जा चुकी है। पिछले चार सालों में हाफ बिजली बिल योजना के उपभोक्ताओं की संख्या 25.23 लाख से बढ़कर अब 41.94 लाख हो गई है। योजना का लाभ लेने की शर्त यह है कि हाफ बिजली बिल सुविधा का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता के बिजली बिल की बकाया राशि शेष नहीं होनी चाहिए। लेकिन यदि ऐसे उपभोक्ता पूर्व की बिल की बकाया राशि का संपूर्ण भुगतान करते हैं, तो भुगतान की तारीख से वे योजना का लाभ लेने के लिए पात्र हो जायेंगे।

बीपीएल परिवारों को निशुल्क विद्युत कनेक्शन

गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को दिए गए विद्युत कनेक्शनों में 30 यूनिट प्रति कनेक्शन प्रतिमाह की दर से निशुल्क विद्युत प्रदाय किया जा रहा है। योजना के तहत 4 वर्षों में बीपीएल विद्युत कनेक्शन धारकों को 1973 करोड़ रूपए की छूट दी गई है। राज्य में 16.82 लाख बीपीएल परिवार को एकलबत्ती योजना का लाभ मिल रहा है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

लाल पत्ता गोभी को डाइट में करें शामिल, मिलेंगे ये 5 प्रमुख फायदे

पत्ता गोभी की विभिन्न किस्मों में शामिल लाल पत्ता गोभी (जिसे बैंगनी गोभी भी कहा जाता है) को पोषक तत्वों के मामले में सबसे ज्यादा बेहतर माना जाता है। एंथोसायनिन नामक फ्लेवोनोइड और एंटी-ऑक्सीडेंट की उपस्थिति के कारण इसमें लाल-बैंगनी रंग होता है, वहीं यह डाइटरी फाइबर, विटामिन- सी और विटामिन- के का समृद्ध स्रोत है। आइए जानते हैं कि लाल पत्ता गोभी को डाइट में शामिल करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

कैंसर का खतरा हो सकता है कम

कई अध्ययनों के मुताबिक, लाल पत्ता गोभी में मौजूद एंथोसायनिन 36 प्रकार के कैंसर रोधी रसायन प्रदान करते हैं। इसके अलावा, लाल पत्ता गोभी में ग्लूकोसाइनोलेट्स (एक प्राकृतिक यौगिक) होता है, जो आइसोथियोसाइनेट यौगिकों में टूट जाता है। इन यौगिकों में कैंसर विरोधी प्रभाव होते हैं और ये मूत्राशय, स्तन और प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम को कम कर सकते हैं।

वजन घटाने में है सहायक

लाल पत्ता गोभी डाइटरी फाइबर का एक बेहतरीन स्रोत है और इसमें कम कैलोरी होती है। डाइटरी फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखकर फालतू के खाने से बचाने में मदद करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिल सकती है। इसके अतिरिक्त, डाइटरी फाइबर मेटाबॉलिज्म की कार्यक्षमता को बढ़ाकर शरीर में मौजूद अतिरिक्त चर्बी को कम करने में भी काफी मदद कर सकता है।

इम्यूनिटी मजबूत करने में है सहायक

लाल पत्ता गोभी विटामिन- सी और विटामिन- के का एक अच्छा स्रोत है। ये विटामिन्स इम्यूनिटी को मजबूती प्रदान करने में मदद कर सकते हैं। इसमें कैल्शियम, फाइबर, आयरन, कॉपर और फ्लेवोनोइड्स की अधिक मात्रा मौजूद होती है, जो इसे संक्रमण से लड़ने वाले ऊतकों और कोशिकाओं के उचित विकास के लिए महत्वपूर्ण बनाते हैं। इस वजह से लाल पत्ता गोभी को डाइट में शामिल करना अच्छा है।

पाचन क्रिया के लिए है लाभदायक

पाचन क्रिया से जुड़ी समस्याएं पूरे शरीर को प्रभावित कर सकती हैं। अगर आप अपनी पाचन क्रिया को तरह-तरह की समस्याओं से सुरक्षित रखते हुए स्वस्थ रखना चाहते हैं तो अपनी डाइट में लाल पत्ता गोभी को शामिल करें। लाल पत्ता गोभी में कई ऐसे रासायनिक यौगिक भी मौजूद होते हैं, जो पाचन क्रिया में बाधा डालने वाले सूक्ष्मजीवों को खत्म करने का काम करते हैं। इससे पाचन क्रिया में सुधार हो सकता है।

हृदय के स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

एंथोसायनिन एंटी-ऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-कार्सिनोजेनिक गुणों से भरपूर लाल पत्ता गोभी कोरोनरी हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद कर सकती है। लाल पत्ता गोभी का सेवन हाई ब्लड प्रेशर और खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, यह अच्छे कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ाने में सहायक होती है। इसलिए लाल पत्ता गोभी का सेवन करना लाभदायक है।

अजित कुमार की थुनिवु 10 फरवरी को ओटीटी पर!

हाल ही में पोंगल के अवसर पर 11 जनवरी को दक्षिण भारत में थलापति विजय की वरिसु के साथ ब्लॉकबस्टर टकराव झेलने वाली अभिनेता अजित कुमार की थुनिवु के बारे में कहा जा रहा है कि यह आगामी माह ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होने जा रही है। गौरतलब है कि अजित कुमार की यह फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 150 करोड़ का कारोबार करने में सफल रही है और वैश्विक स्तर पर इसने 200 करोड़ का कारोबार किया है। वरिसु से टकराव के बावजूद दर्शकों ने इस फिल्म को हाथों-हाथ लिया और यह बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई है।

थुनिवु अब ओटीटी पर आने वाली है। प्राप्त समाचारों के अनुसार फिल्म फरवरी में नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी। अगर ऐसा होता है तो यह थिएट्रिकल रिलीज के करीब एक महीने बाद ओटीटी पर आएगी। थुनिवु एक डकैती-थ्रिलर है, जिसका निर्देशन एच विनोथ ने किया है। इसे बोनी कपूर ने प्रोड्यूस किया है।

थुनिवु, वलिमै के बाद अजित कुमार की पहली रिलीज कथित तौर पर 10 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर आने वाली है। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। फिल्मों के सिनेमाघरों में प्रदर्शन के एक महीने बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आना कोई आश्चर्य व नई बात नहीं है। थुनिवु की ओटीटी रिलीज किसी भी तरह से अजित के प्रशंसकों के लिए एक बड़ा क्षण होने की उम्मीद है।

थुनिवु एक एक्शन-थ्रिलर है जिसमें अजीत कुमार एक नए अवतार में हैं। फिल्म में अभिनेता ग्रे रंगों में नजर आए हैं। थुनिवु में मंजू वारियर ने नायिका की भूमिका निभाई है। धनुष के साथ अपनी पहली तमिल फिल्म असुरन (2019) के बाद यह मलयालम अभिनेत्री की दूसरी तमिल फिल्म है। थुनिवु बोनी कपूर द्वारा निर्मित है। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने निर्कोडा पारवई और वलिमै का निर्माण भी अजित कुमार के साथ किया था। यह दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थीं।

बेदाग त्वचा के लिए ऐसे करें एलोवेरा का इस्तेमाल

अगर आप अपने चेहरे को सुंदर और बोदाग बनाए रखना चाहती हैं, तो आप बजार में मिलने वाले ब्यूटी प्रोडक्ट को छोड़ एलोवेरा जेल अपनाइये, क्योंकि त्वचा की समस्या के लिए एलोवेरा जेल सबसे अच्छा होता है. इसकी ठंडक से मुंहासे और दाग ठीक होने लगते हैं. आज हम आपको एलो वेरा का ऐसा मास्क बनाना सिखाएंगे जो हर तरह की स्किन प्रॉब्लम के लिये प्रयोग किया जा सकता है.

चेहरे के लिये स्क्रब बनाएं

चेहरे को स्क्रब करना काफी जरुरी होता है नहीं तो आपके चेहरे पर बिल्कुल भी ग्लो नहीं दिखेगा. आप चाहें तो स्किन के लिये स्क्रब खुद घर पर ही तैयार कर सकती हैं. यह स्क्रब हर तरह की स्किन टाइप को सूट करता है. इसके लिये आपको एलो वेरा जेल, दही और थोड़ा ब्राउन या फिर वाइट शुगर की आवश्यकता होगी. इन सभी चीजों को मिक्स कर के चेहरे पर लगा कर गोलाई में रगड़ें. एलो वेरा स्किन को नमी पहुंचाता है और गंदगी से निजात दिलाता है. वहीं दही से स्किन में चमक आती है क्योंकि इसमें लैक्टिक एसिड पाया जाता है. और शुगर से डेड स्किन हटती है. इस स्क्रब को हफ्ते में एक बार लगाएं.

मुंहासों के लिये

मुंहासो की सबसे बुरी बात यह होती है कि इनके दाग चेहरे पर लंबे समय तक टिके रहते हैं. मुंहासों को दूर करने के एलो वेरा जेल, थोड़ा सा जायफल पावडर और कुछ बूंद नींबू के रस की लें. इन सभी को मिला कर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगा कर 10 मिनट रूक कर ठंडे पानी से धो लें. एलो वेरा जेल चेहरे पर पड़े मुंहासों को दूर कर उनके दाग को मिटाएगा.

रूखी त्वचा के लिये

त्वचा को नमी पहुंचाने के लिये एलो वेरा जेल काफी अच्छा होता है. आपको सिर्फ एलो वेरा जेल को औलिव औइल, शहद और बादाम तेल के साथ मिक्स करें. इसे चेहरे पर लगाएं और फिर आधे घंटे के बाद धो लें. यह आपके चेहरे को काफी लंबे समय तक मॉइस्चराइज रखेगा और उम्र से पहले पड़ने वाली झुर्रियों को हटाएगा.

ऑइली स्किन के लिये

दही के साथ थोड़ा एलो वेरा जेल और टमाटर का रस मिलाइये और इस पेस्ट को चेहरे पर लगा कर हल्के हल्के मसाज कीजिये. इससे चेहरे का औइल निकलेगा और मुंहासों के निशान भी मिट जाएंगे. इस पेस्ट को चहरे पर 20 मिनट के लिये लगा छोड़ दें और फिर चेहरा धो लें.

संवेदनशील त्वचा के लिये

जिनकी स्किन संवेदनशील होती है, उनके चेहरे पर मुंहासे काफी जल्दी आते हैं और उनकी उम्र का भी जल्दी ही पता चलने लगता है. अगर आपकी त्वचा भी संवेदनशील है तो एलो वेरा और पपीते का पेस्ट बना कर लगाये, इसमें आपको काफी मदद मिलेगी. यह स्किन को हाइड्रेट करती है और एक्ने से बचाती है. इसके अलावा इससे चेहरे पर तुरंत ही ग्लो भी आता है.

जब पत्नी हो प्रैगनेंट तो क्या करे पति

आज के दौर में ज्यादातर पतिपत्नी अकेले रहते हैं. ऐसे में गर्भावस्था के दौरान पत्नी की देखभाल और प्रसव यानी डिलिवरी बाद नवजात की देखभाल कठिन काम हो जाता है. इस हालात से निबटने के लिए पति को मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए. उसे प्रसव के दौरान की कुछ जानकारी भी होनी चाहिए. इस बारे में लखनऊ के मक्कड़ सैंटर की डाक्टर रेनू मक्कड़ ने कुछ टिप्स दिए. आंकड़े बताते हैं कि जिन औरतों के मामलों में गर्भावस्था के दौरान सावधानी नहीं बरती जाती, समय पर इलाज नहीं कराया जाता उन औरतों में प्रसव के दौरान रिस्क बहुत बढ़ जाता है. गर्भावस्था के दौरान औरतों के शरीर में तमाम तरह के बदलाव होते हैं, जिस से शरीर में भी कई तरह के बदलाव होते हैं. समय पर इन बदलावों को डाक्टर से बता कर सलाह लेनी चाहिए.

आने वाले संकट का मुकाबला करने के लिए शरीर को तैयार कर लिया जाए ताकि शरीर किसी भी गंभीर बीमारी के जाल में न फंसे.

खतरे से न घबराएं

गर्भावस्था के दौरान कुछ लक्षण कभी नजरअंदाज नहीं करने चाहिए. योनि, गुदा और निपल से थोड़ा सा भी खून रिसता दिखाई दे तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. अगर चेहरे और हाथों में सूजन हो या किसी तरह का कोई उभार हो तो डाक्टर से जरूर बात करें. तेज सिरदर्द भी गर्भावस्था में किसी न किसी गंभीर बीमारी का संकेत देता है. अगर आंखों के सामने अंधेरा छा जाता है या फिर धुंधला दिखाई देता है तो इसे भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. पेट में तेज दर्द, कंपकंपी और बुखार भी खतरनाक संकेत माने जाते हैं.

योनि से तरल पदार्थ का निकलना भी खतरे का संकेत है. पेट में बच्चे का घूमना पता न चले तो भी मामला खतरनाक हो सकता है.

जब हो जाए बच्चा

कई बार ठीकठाक प्रसव होने के बाद भी कुछ परेशानियां हो जाती हैं. प्रसव के बाद औरत को सामान्य होने में कुछ समय लगता है. सब से बड़ी समस्या योनि से खून का बहना होता है. आमतौर पर यह सामान्य बात होती है मगर कभी-कभी इस में किसी दूसरी बीमारी के लक्षण भी छिपे होते हैं. इसलिए प्रसव के बाद भी अगर इस तरह की कोई परेशानी आए तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए.

शिशु का जन्म ऑपरेशन से हो या फिर सामान्य रूप से शरीर प्रसव के बाद गैरजरूरी म्यूकस, प्लेसैंटल टिशूज और खून को बाहर कर देता है. इसे लोकिया कहा जाता है. यह प्रसव के 2-3 सप्ताह तक चलता है. कभी कभी 6 सप्ताह तक भी चलता है. इस परेशानी को कम करने के लिए आराम करें. खड़े रहने और चलने से परहेज करें. खून को सोखने के लिए पैड्स का प्रयोग करें. यह अपनेआप ठीक हो जाता है. अगर खून काफी मात्रा में बहता हो, बुखार और ठंड लगे, डिस्चार्ज में कोई गंध हो तो डाक्टर से संपर्क करें. पोस्टपार्टम हैमरेज प्रसव के बाद की गंभीर किस्म की बीमारी होती है, जिस में सामान्य से अधिक खून बह जाता है. इस का कारण प्लेसैंटा का पूरी तरह से बाहर न निकलना, उसे जबरन बाहर खींचा जाना, प्रसव के दौरान गर्भाशय, सर्विक्स या योनि पर चोट लगने से ऐसा होता है. हमारे देश में प्रसव के चलते होने वाली मौतों में 10 फीसदी इसी कारण से होती है. पोस्टपार्टम हैमरेज का पता चलते ही डाक्टर को अपनी परेशानी के बारे में बताना चाहिए. इस दौरान शरीर की सफाई का खास खयाल रखें. लगातार बुखार बना रहे तो यह किसी इन्फैक्शन का कारण ही होता है. इसे नजरअंदाज न करें. स्तन में गांठ या दूध पिलाने में दर्द हो तो भी डाक्टर से सलाह लेनी होती है. अनचाहे गर्भ को रोकने के लिए गर्भनिरोधक साधनों का इस्तेमाल करें. यह न सोचें कि जब तक बच्चे को दूध पिलाएंगी तब तक गर्भ नहीं ठहरेगा.

बच्चों की आपराधिक मानसिकता को कैसे पता करें?

बच्चे मन के सच्चे, ये हम सब कहते सुनते आए हैं .अपनी निश्छल मुस्कान और मासूमियत से सबका मन मोह लेने वाले बच्चे सभी को भाते हैं लेकिन कभी कभी यही बच्चे कुछ ऐसा कर गुजरते हैं कि हम सब सोचते रह जाते हैं कि बालमन में ऐसी आपराधिक मानसिकता कैसे जन्मी पता ही नहीं चला. बदलते समय के साथ अब बहुत जरूरी हो गया है कि माता पिता और परिवार के बुजुर्ग सभी बच्चे की गतिविधियों पर नजर रखे. बच्चे का सामान्य से हटकर कुछ अलग व्यवहार आने वाली परेशानी का संकेत हो सकता है .

बच्चों के स्वस्थ मानसिक विकास के लिए पारिवारिक वातावरण का अच्छा और सुमधुर होना बहुत जरूरी होता है. बड़ों की आपस की बातें भी कभी कभी बच्चों को परेशान कर सकती है जिसका असर उनके विकास पर पड़ सकता है जैसे कि माता पिता या बड़े बुजुर्गों के बीच कोई मतभेद है तो उस पर बच्चों के सामने कहा सुनी न करें, साथ ही आपस में बात करते समय भी शब्दों का चुनाव भी बेहतर करें . क्यू कि बच्चें जो देखते सुनते हैं वैसा ही आचरण करते हैं केवल स्कूल का बेहतर माहौल उनके व्यक्तित्व का निमार्ण नहीं कर सकता है.

बच्चें जहां और जिनके बीच खेलते और बातचीत करते हैं उनके संबध में भी जानकारी रखे और खुद बच्चों से सीधे पूछताछ भी करते रहे. केवल बातचीत करके आप आराम से बच्चों के बारें में जानकारी जुटा सकती है, बच्चों का दोस्त बनकर बात करना, उनकी समस्या हल करना बहुत जरूरी हो गया है.

2017 में गुरुग्राम के रेयान पब्लिक स्कूल में जिस अबोध बच्चे की हत्या हुई थी उसके पीछे का कारण जानकर तो हम सबको बहुत हैरानी हुई थी. केवल एक्जाम, पीटीएम टालने के लिए एक बच्चे ने दूसरे की हत्या का सहारा लिया. जिस बच्चे को एक्जाम का डर था वो अपनी मां और टीचर से भी बात कर सकता था, अपनी परेशानी कह सकता था अगर उससे टीचर और माता पिता का दोस्ताना व्यवहार होता तो साथ ही सोचने वाली बात ये भी थी कि उसके मन में हत्या का विचार और प्लान कैसे आया.? ऐसी सोच और विचार एक दो दिन में नहीं पनपते हैं. घर, स्कूल के दोस्त या कोई टीवी सीरियल से सम्भवत: प्रेरित हुआ हो उसके व्यवहार में परिवर्तन भी दिखने लगा होगा अगर घर से कोई भी नोटिस करता तो बच्चा अपराधी बनने से बच जाता है और दूसरा बच्चा जीवित होता.

ऐसी छोटी छोटी बातों का बालमन पर मनोवैज्ञानिक असर पड़ता है.. पहले के समय में झाड़ फूक, टोना टोटका से लोग इलाज़ की कोशिश करते थे, लेकिन अब चाइल्ड psycho.ogy के लिए अलग से स्टडी की जाती है और बच्चे को समझ कर उन्हें counse.ing द्वारा बेहतर करने का प्रयास किया जाता है . अगर बच्चों में कभी भी कोई बदलाव या चिड़चिड़ापन दिखे तो उनसे बात करें और समस्या न समझ आये तो डौक्टर की मदद ले.

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.

रामा कोचिंग

135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां

उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

खास खबर

जिंदगी में अगर आगे बढ़ना है तो कभी दूसरों पर निर्भर मत रहना - डॉ. लक्ष्मी ध्रुव

नगरी। शास. कन्या उ.मा.वि. नगरी के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सिहावा विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव शामिल हुई। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि जिंदगी में अगर आगे बढ़ना है तो कभी दूसरों पर निर्भर मत रहना क्योंकि मंजिल उन्ही को मिलती है जो खड़े होते है अपने पैरो पर कभी उनकी बातों पर ध्यान मत देना जो पीठ पीछे बाते करते है। क्योंकि इसका मतलब यह है कि आप अभी भी उससे दो कदम आगे हैं। मनुष्य की जिंदगी में सुख और दुख लगा रहता है। लेकिन दुख के समय में कई लोग बुरी तरह से टुट जाते है और आगे बढ़ने की उम्मीद छोड़ देते है। ऐसे समय में उन लोगों को कई बार प्रेरणा की जरूरत होती है वहीं छात्रों के जीवन में भी पढ़ाई का और अच्छे अंक लाने का काफी टेंशन रहता है। कई बार पढ़ाई करने के बाद भी अच्छे अंक नही आते या फिर उनका मन पढ़ाई में नही लगता है जिसकी वजह से वे बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाते। उक्त कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष विमला मरकाम, शाला प्रतिनिधि नंदनी कंचन, महेश मरकाम, वरूण किरण, किरण साहू, धर्मेन्द्र साहू एवं स्टाफ उपस्थित थे।

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं हो रही आत्मनिर्भर

सूरजपुर। जिला अंतर्गत कलेक्टर इफ्फत आरा के दिशा निर्देश एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत लीना कोसम के मार्गदर्शन में जिले में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं निरंतर आत्मनिर्भर हो रही है। इसी तारतम्य में जिले में सूरजपुर विकासखंड के जयनगर और प्रतापपुर के सोनगरा में प्लास्टिक बोरी निर्माण और प्रिंटिंग इकाई की स्थापना की गई। जिसमें महिलाओं द्वारा बोरा सिलाई कार्य एवं प्रिंटिंग कार्य किया जाता है। इससे निर्मित बोरी को गोठान में समूह की महिलाओ को प्रदाय किया जाएगा,जिससे उन पर दुकानों से या अन्य स्त्रोतों से बोरी खरीदने पर पड़ने वाले अतिरिक्त भार में कमी आयेगी। शासन की महत्त्वाकांक्षी योजना नरवा गरवा घुरवा व बाड़ी अंतर्गत जिले में कुल 372 गोठान क्रियाशील है, जिनमे निरंतर 30 क्विंटल से अधिक की गोबर खरीदी प्रति पाक्षिक पकवाड़े में की जा रही। खरीदे गए गोबर से 40 प्रतिशत की दर से बर्मी खाद का उत्पादन समूह की महिलाओ द्वारा किया जाता है। उत्पादित खाद के संधारण, स्थानांतरण एवं विक्रय में सुविधा होगी। समूह की महिलाओं के उत्थान एव सफलता के लिए प्रशासन निरंतर प्रयासरत एवं सक्रिय है।

भिलाई शहर के डेवलपमेंट व शहर व्यवस्था को लेकर निगमायुक्त रोहित व्यास ने ली अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक

चौपाटी, किड्स जोन, वेंडिंग जोन सहित सौंदर्यीकरण को लेकर दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम आयुक्त रोहित व्यास ने भिलाई शहर के डेवलपमेंट को लेकर महत्वपूर्ण बैठक अधिकारियों की ली। जिसमें अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, उपायुक्त रमाकांत साहू, जोन आयुक्त राजेंद्र नायक, येशा लहरें, अमिताभ शर्मा, पूजा पिल्ले व खिरोद्र भोई, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की प्रभारी अधिकारी प्रीति सिंह, भवन अनुज्ञा अधिकारी हिमांशु देशमुख एवं स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, सहायक अभियंता विनीता वर्मा, उप अभियंता अर्पित बंजारे, स्टेनो टू आयुक्त पुरुषोत्तम साहू सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

वेंडिंग जोन को लेकर निगम आयुक्त रोहित व्यास ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इस काम को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र अति शीघ्र इसे पूर्ण करें। आदर्श मार्केट बनाने के लिए व्यापारियों के साथ मिलकर मार्केट क्षेत्रों का निरीक्षण के बाद मार्केट की व्यवस्था को दुरुस्त करने कार्य करें।

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जहां भी सड़कों को सुधारने की दिशा में कार्य किए जाने हैं उसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए तथा शीघ्रता के साथ सड़क मरम्मत एवं संधारण, पेच वर्क तथा डामरीकरण जैसे कार्यों को मॉनिटरिंग करके पूर्ण किया जाए। ठेले और हॉकर वालों को चिन्हित करके उन्हें पहचान पत्र के साथ ही लाइसेंस देने के काम की प्रगति की भी समीक्षा आयुक्त ने की। सेमरिया के खाली पड़े बड़े भूखंड पर गौठान विकास को लेकर संयुक्त कार्य योजना तैयार की जाएगी। इसकी रिपोर्टिंग भी जोन आयुक्त करेंगे।

ठेले और गुमटियों को व्यवस्थित करने हो विशेष कार्य ठेले और गुमटियों को व्यवस्थित करने विशेष पहल करे। खासकर ऐसे एरिया से जहां पर ज्यादा आवागमन होता है और ट्रैफिक समस्या अधिक होती है। जोन वाइस कितने ठेले अभी वर्तमान में है इस पर सर्वे कर इसकी जानकारी जुटाई जाएगी।

कॉलोनाइजर्स द्वारा कॉलोनी में दी जाने वाली सुविधाओं की होगी जांच कॉलोनियों का निरीक्षण किया जायेगा तथा शर्तों के मुताबिक कॉलोनाइजर्स रहवासियों को सुविधाएं दे रहे हैं या नहीं इसकी जानकारी ली जाएगी। कॉलोनियों में पर्याप्त सुविधा मिले इस पर फोकस किया जाएगा। इसके लिए कॉलोनी के एसोसिएशन तथा रहवासियों से फीडबैक लिया जायेगा। जहां कहीं असुविधा मिलेगी ऐसे कॉलोनियों में कॉलोनाइजर्स एक्ट के तहत कार्रवाई भी होगी। सोसाइटी में सार्वजनिक रूप से मिलने वाली सुविधा रहवासियों को प्राप्त हो रही है या नहीं इसकी भी जानकारी ली जाएगी तथा पार्क के संचालन/संधारण आदि की भी रिपोर्टिंग ली जाएगी।

मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत सौंदर्यीकरण के हो काम मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत इच्छुक संस्था, इच्छुक व्यक्ति, इच्छुक व्यापारी व उद्योगपति या इसी प्रकार के अन्य लोग जो शहर में सौंदर्यीकरण की दिशा में कार्य करना चाहते हैं उन्हें मोटिवेट करने के निर्देश अधिकारियों को आयुक्त ने दिए हैं। मोर शहर मोर जिम्मेदारी के तहत आगे आने वाले कोई भी व्यक्ति किसी भी क्षेत्र में वहा के जोन आयुक्त से सीधे संपर्क कर सकते है।

नियमितीकरण पर करें विशेष फोकस अनाधिकृत विकास के नियमितीकरण को लेकर निगमायुक्त ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा कि नियमितीकरण को लेकर अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें तथा इसके लिए शिविर का भी आयोजन करें तथा आर्किटेक्ट को भी शिविर में शामिल करने उन्होंने कहा। व्यापारी संघ से भी समन्वय बनाकर नियमितीकरण की कार्रवाई करने अधिकारियों को उन्होंने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए सर्वे कर अनाधिकृत विकास को शत-प्रतिशत नियमितीकरण के दायरे में लाने के लिए काम करें। उत्तर गंगोत्री, दक्षिण गंगोत्री जैसे मार्केट क्षेत्रों में भी उन्होंने नियमितीकरण पर कार्य करने के निर्देश दिए। भवन अनुज्ञा के विपरीत किए गए निर्माण तथा अनाधिकृत विकास वाले लोगों को नोटिस भी जारी किया जाएगा।

चौपाटी डेवलपमेंट तथा किड्स जोन की भी प्लानिंग तैयार करने के दिए निर्देश भिलाई में एक बेहतर चौपाटी जिसमें किड्स जोन, प्लेइंग जोन एवं कल्चरल एक्टिविटीज आदि के संगम के लिए एक बेहतर प्लेटफार्म मिल सके इसकी चर्चा बैठक में की गई। इसके लिए भिलाई में ऐसे अच्छे स्थल का चयन किया जाएगा जहां पर लोग परिवार के साथ खुशनुमा समय व्यतीत कर सकें।

तम्बाकू नियंत्रण एवं नशा उन्मूलन के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की जरूरत - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डोमन सिंह ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक ली। कलेक्टर सिंह ने कहा कि तम्बाकू नियंत्रण एवं नशा उन्मूलन के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। जनसामान्य में नशे के दुष्परिणाम के प्रति जागरूकता लाने के लिए हर ग्राम पंचायत में टीम ले जाएं और व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर यह कार्य करें। जिन क्षेत्रों में नशा करने वालों की संख्या अधिक है, उन स्थानों को चिन्हांकित करें तथा वहां पहले कार्य करें। विशेषकर स्कूलों में ध्यान केन्द्रित करते हुए तम्बाकू एवं गुटका के दुष्परिणाम के प्रति जागरूकता लाने की जरूरत है।

नशे की लत के चंगुल से निकालने के लिए उन्हें उपाय बताएं। कलेक्टर ने साथ ही नशा करने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन की समीक्षा के दौरान सभी बीएमओ से कहा कि इसके लिए टेस्टिंग बढ़ाएं। उन्होंने छुरिया एवं घुमका ब्लॉक में धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले में कुपोषित बच्चों के पोषण पर स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग को इस दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। गंभीर कुपोषित कच्चों का चिन्हांकन करते हुए उनके स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार लाने के लिए विशेष रूप से कार्य करने की आवश्यकता है।

सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर कुपोषित बच्चों के ईलाज पर ध्यान देते हुए पोषण आहार देने की दिशा में कार्य करना है। पोषण के प्रति जनसामान्य में जागरूकता लाते हुए जनसहभागिता से यह कार्य करना है। बच्चों को दो बार भोजन तथा तीन बार नाश्ता देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कुपोषण को दूर करना एक चुनौती है। इसके लिए सभी आपसी समन्वय एवं सहयोग से कार्य करें। कलेक्टर सिंह ने कहा कि जिले में अंधत्व निवारण महाभियान के लिए उदयाचल संस्थान के साथ कार्य करना है। इसके लिए सभी बीएमओ मानिटरिंग करें तथा योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें।

फरवरी के अंतिम सप्ताह तक अंधत्व के प्रकरण समाप्त करने के लिए कार्य करें। 10 फरवरी को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर 1 से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों, किशोर और किशोरियों को अल्बेन्डाजोल की गोली खिलाने के लिए तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने संस्थागत प्रसव की समीक्षा करते हुए ऐसे उप स्वास्थ्य केन्द्र जहां कार्य में प्रगति नहीं है। वहां कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नीति आयोग के इंडिकेटर्स की भी समीक्षा की। उन्होंने ग्राम दिवानभेड़ी, मलाईडबरी, खैरझिटी, भोलापुर, देवकट्टा, रामपुर के स्वास्थ्य कुटीर की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के उप स्वास्थ्य केन्द्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर में गुड मार्निंग राजनांदगांव का आयोजन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिले में क्षय रोग के मरीजों की सहायता के लिए पोषण मित्र बनाने के निर्देश हैं। जिसके अंतर्गत उन्हें पौष्टिक आहार तथा प्रोटिन डाईट देना है। फुड बास्केट के माध्यम से उन्हें खाद्यान्न सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कहा। कलेक्टर सिंह ने मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना, धनवंतरी मेडिकल स्टोर, सी-मार्ट से खरीदी की जानकारी, मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजनांतर्गत लाभांवित हितग्राहियों, मलेरिया व डेंगु प्रकरण की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एके बसोड़ ने कहा कि सुघ्घर बुधवार कार्यक्रम अंतर्गत बच्चों का ग्रोथ चार्ट बनाएं तथा उनके ऊंचाई एवं वजन की माप नियमित रूप से करता है।

मुख्यमंत्री ने पाटन में राजीव सरोवर का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

पाटन। पाटन शहर में तेजी से नागरिक सुविधाओं एवं अधोसंरचना विकास के लिए कार्य किए जा रहे हैं।

शहर के सरोवरों का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है और उन्हें मनोरंजक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में शहर के प्रमुख तालाब नकटा तालाब का गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य किया गया है। राजीव सरोवर उद्यान के नाम से जाने जाने वाले इस उद्यान की लागत 5 करोड़ 80 लाख रुपये है। आज मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इसका लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने सौंदर्यीकरण कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह बहुत सुंदर उद्यान बन गया है। लोगों के सुबह शाम घूमने के लिए बहुत अच्छी जगह हो गई है। पहले भी यह तालाब बहुत ही सुंदर था और अब सौंदर्यीकरण के बाद इसकी सुंदरता को चार चांद लग गए हैं।

इस मौके पर पाटन नगर पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र कश्यप एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। साथ ही कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा और एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव एवं अन्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री बघेल के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान किए गए घोषणाओं पर हो रहा अमल

किसान व ग्रामीण उपभोक्ताओं को विद्युत की बेहतर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने मई 2022 में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों की मांग पर सूरजपुर जिले के ग्राम - गोविंदपुर, लटोरी नवापाराकला में नया उपकेन्द्र निर्माण, ग्राम धवईटिकरा का विद्युतिकरण करने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री श्री बघेल के घोषणाओं को अमल करते हुए बिजली विभाग ने तेजी से कार्रवाई करना शुरू कर दिया है और क्षेत्र में लो-वोल्टेज की समस्या से निजात दिलाने के लिए बिजली लाइन बिछाने एंव उपकेंद्र निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

जिससे क्षेत्र में नियमित बिजली की आपूर्ति बनी रहेगी और बिजली संबंधित व्यवधान का निराकरण शीघ्र होगा और लो वोल्टेज की समस्या से भी मुक्ति मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को स्थानीय निवासियों ने अवगत कराया था कि विद्युतीकरण एवं सब स्टेशन का कार्य होने से बिजली की समस्या दूर होने के साथ ही हाथियों का डर भी दूर हो जायेगा। इसके साथ-साथ क्षेत्र के बच्चों को पढ़ाई में सुविधा होगी। विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि ग्राम गोविंदपुर, लटोरी, नवापारा कला में नया विद्युत सबस्टेशन एवं धवईटिकरा में विद्युतीकरण का कार्य किया जा रहा है शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा जिससे क्षेत्र के निवासियों को बेहतर बिजली सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

गौरतलब है कि जिला-सुरजपुर के विभिन्न अंचल में तीन नये 33.11के0व्ही0 उपकेंद्र गोविंदपुर (रेवटी), लटोरी, नवापाराकला (प्रेमनगर) में 3ग्3.15 एमव्हीए पॉवर-ट्रांसफार्मर, 33के0व्ही0लाइन - 28.02 किमी, 11केव्ही लाइन - 27.19 किमी, कुल लागत राशि - 799.77 लाख रुपए से बनाया गया है।

प्रेमनगर क्षेत्र में लो-वोल्टेज की समस्या दूर करने के लिए 132/33केव्ही उपकेंद्र सलका से 33/11केव्ही उपकेंद्र उमेश्वरपुर को जोड़ने हेतु 33 केव्ही लाइन 19.52 किमी, कुल लागत राशि-186.58 लाख रुपए एवं प्रेमनगर के ग्राम-धवईटिकरा को विद्युतिकरण के लिए 11 केव्ही लाइन-3.3 किमी, एलटीलाइन-1.7 कि0मी0, 1ग्25 केव्हीए डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर लागत-27.93 लाख रूपए के कार्य प्रगतिरत है। नये उपकेंद्र निर्माण और नये लाइनों के सृजन से अंचल में विद्युत-प्रणाली को मजबूती मिलेगी।

शासकीय योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को समय पर दिलाने सुनिश्चित करें - सासंद साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आज यहां जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में सांसद अरूण साव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित योजनाओं में प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक में साव ने जिले के सभी अधिकारियों को योजनाओं के तहत् मंजूर किये गये कामों की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आमजनों की सहूलियत के लिए स्वीकृत किये गये विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए लगातार समीक्षा किया जाना आवश्यक है। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता पर असंतोष प्रकट करते हुए और तेज गति से काम करने के निर्देश दिये हैं। जनहित की योजनाओं का शत-प्रतिशत फायदा लोगों को मिलना चाहिए। बैठक में मस्तूरी विधायक कृष्णमूर्ति बांधी, जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सिंह चौहान, महापौर रामशरण यादव सहित सभी जनपद एवं नगरीय निकायों के अध्यक्ष मौजूद थे। कलेक्टर सौरभ कुमार ने योजनाओं की ताजा प्रगति से समिति को अवगत कराया।

सांसद साव ने एजेण्डा के अनुरूप बारीकी से योजनाओं की समीक्षा की तथा बेहतर क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती जय जैन ने योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मनरेगा में 1 लाख 93 हजार 374 पंजीकृत परिवारों को जॉब कार्ड जारी किया गया है। मनरेगा के तहत् 413 वन अधिकार पट्टाधारी परिवारों ने 100 दिवस का रोजगार पूरा किया है। मनरेगा के तहत इस वित्तीय वर्ष में अब तक 93 करोड़ 76 लाख रूपए का व्यय किया गया है। जिसमें मजदूरी पर 62 करोड़ 17 लाख रूपए से अधिक की राशि व्यय की गई है। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन का कार्य लोगों के लिए लाभप्रद होना चाहिए। मनरेगा के तहत स्वीकृत कार्यों की सूची जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सांसद ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने कहा। लिमतरा से करा मार्ग सहित योजना के तहत अधूरे पड़े कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी आवास योजना को दुरूस्त करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि यह गरीबों के स्वयं के मकान होने के सपने को साकार करने वाली योजना है। इसमें किसी तरह की कोताही स्वीकार नहीं की जायेगी। लोगों को आवास के लिए भटकना न पड़े।

खास खबर

बोलेरो चालक ने एक्टिवा सवार युवक को मारी टक्कर, युवक की मौत

दुर्ग (ए)। जिले के पुरानी भिलाई थाना अंतर्गत एक बोलेरो चालक स्कूटर सवार युवक को टक्कर मार कर फरार हो गया। टक्कर लगने से एक्टिवा सवार को काफी चोटे आईं। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक विश्व बैंक कालोनी भिलाई 3 निवासी सागर भोई अपने से स्कूटर से शनिवर रात सामान लेने के लिए अपने घर से निकला था। रात 8.30 बजे के करीब वह जैसे ड्रीम सिटी के पास पहुंचा सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो उसे टक्कर मारती हुई निकल गई। दुर्घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई।

इधर सूचना मिलते ही भिलाई तीन पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को मरचुरी में रखवा दिया है। रविवार को पंचनामा कार्रवाई के बाद पीएम होगा और उसके बाद शव परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक कुछ लोगों ने बताया कि दुर्घटना करने वाला वाहन बोलेरो था। उसका नंबर कोई नोट नहीं कर पाया। वो काफी तेज गति से आया और दुर्घटना करने के बाद भाग गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि वो जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर वाहन को जब्त कर लेगी।

अश्लील फोटो, वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (ए)। पुलिस ने युवती की अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रेप करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने जब पहली बार दुष्कर्म किया था तब पीड़िता नाबालिग थी इसलिए पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई की है। पीड़िता ने शनिवार चार फरवरी की दोपहर हरदीबाजार पुलिस को दुष्कर्म की शिकायत की थी। शिकायतकर्ता ने थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि 18 जुलाई 2022 को दोपहर के समय कॉलेज से अपने घर जा रही थी। तब आरोपी ने घर ले जाने के बहाने लिफ्ट देकर नेवसा के जंगल में पहली बार दुष्कर्म किया। इसी दौरान पीड़िता के अश्लील फोटो और वीडियो भी बना लिया और लगातार फोटो वायरल करने की धमकी देकर वह पीड़िता के साथ दुष्कर्म कर रहा था। पीड़िता लगातार मानसिक यातना झेल रही थी। पुलिस ने आरोपी को ग्राम मुड़ापार से गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पेट्रोल के लिए पूरी बाइक चुरा लेते थे नाबालिग चोर, पुलिस के हत्थे चढ़े तो हुआ खुलासा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में बाइक चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए एसपी अभिषेक पल्लव ने सभी थानों को विशेष दिशा निर्देश जारी किए हैं। इसी कड़ी में भिलाई नगर पुलिस ने तीन चोरों को गिरफ्तार किया है जिनमें दो नाबालिग हैं। नाबालिग चोर इतने शातिर हैं कि पेट्रोल के पूरी बाइक पार कर देते। चोरी की बाइक को बेचने ग्राहक की तलाश करते पहले एक पकड़ाया। उसके बाद दो नाबालिग भी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने इन चोरों के पास से 10 चोरी की मोटर साइकिलें बरामद की हैं।

मिली जानकारी के अनुसार वाहन चोरों की पता तलाश के दौरान मुखबिर से सूचना मिली की सुपेला क्षेत्र का रहने वाला विवेक गजभिये मोटर सायकल बेचने के लिए सिविक सेण्टर में ग्राहक की तलाश कर रहा है। साथ ही एक अन्य मामले में कुछ अपचारी बालक भी मोटर सायकल बदल-बदल कर चलाने की जानकारी मिली। इसके पुलिस ने विवेक गजभिये एवं दो नाबालिगों को हिरासत में लिया और पूछताछ की। पूछताछ में विवेक गजभिये ने बताया कि स्प्लेण्डर कमांक सीजी-07 एलएच-8249 चोरी कर सुपेला रेल्वे कासिंग के पास छिपाकर रखा है। मोटर सायकल बेचने के लिये ग्राहक की तलाश कर रहा है एवं एक चोरी की मोटर सायकल बिना नम्बर की स्वयं चला रहा है। विवेक गजभिये के मेमोरण्डम के आधार पर दोनों मोटर सायकल जब्त किया गया। इसी प्रकार नाबालिगों ने बताया कि वे पेट्रोल चोरी करने के लिये मोटर सायकल चोरी करते थे और कुछ मोटर सायकल की पेट्रोल चोरी करने के बाद उसकी बैटरी निकाल कर वाहन लावारिश छोड़ दिये थे। अपचारी बालकों के मेमोरण्डम पर पुलिस व्दारा 08 मोटर साइकिल जब्त किए। जब्त मोटर सायकल के मालिकों की जानकारी प्राप्त की जा रही है। इस सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी भिलाई नगर निरीक्षक राजेश साहू, सउनि सुरेन्द्र राजपूत, भोजराम साहू, आर. बृजभूषण त्रिपाठी, इसरार अहमद, रोहन दुबे, हेमेन्त कुर्रे की उल्लेखनीय भूमिका रही।

सड़क किनारे सो रहे मजदूरों को गाड़ी ने कुचला, 1 की मौत

अंबिकापुर (ए)। नेशनल हाईवे अंबिकापुर से एक बड़े हादसे की खबर है। सड़क किनारे सो रहे मजदूरों को गाड़ी ने कुचल दिया। हादसे में जहां एक मजदूर की मौत हो गई, वहीं कुछ मजदूर जख्मी भी हो गए। इनमें से एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना अंबिकापुर रायगढ़ एनएच पर लुचकी घाट के पास हुई है।

घटना के बाद घायल को स्थानीय लोगों ने तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने हादसे में शामिल गाड़ी को जप्त कर लिया है। मामले की जांच में जुट गई है।

सब्जी खरीदने गए शख्स का मोबाइल हुआ गुम, खाते से पार हो गए दो लाख रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मोबाइल घुम होने से खाते से लाखों रुपए पार होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। स्टेशन मरोदा में रहने वाला एक शख्स मंगलवारी बाजार में सब्जी खरीदने गया और इस दौरान इसका मोबाइल गुम हो गया। इसके बाद थाने में आवेदन देकर शख्स ने अपने पुराने दो नंबर के सिम खरीदे और नया मोबाइल लेकर पेटीएम अपडेट करना चाहा लेकिन नहीं हुआ। इसके बाद उसने बैलेंस चेक किया तो उसके खाते से 1 लाख 94 हजार रुपए पार हो गए हैं। इसके बाद शख्स थाने पहुंचा और नेवई थाने में शिकायत दर्ज कराई। नेवई पुलिस जिन खातों में रुपए ट्रांसफर हुए उनके नाम पर धारा 420 के तहत अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार एचएससीएल कालोनी स्टेशन मरोदा निवासी कमरूद्दीन 17 जनवरी 2023 को मंगलवारी बाजार टंकी मरोदा सब्जी खरीदने गया था। इस दौरान उसका रेडमी कंपनी का मोबाईल गुम हो गया। मोबाइल में आईडिया कंपनी का सीम नंबर 9827805932 एवं जिओ कंपनी का सीम नंबर 6266129720 लगा हुआ था। इसके बाद कमरूद्दीन ने 18 जनवरी थाने में कंप्लेन देने के बाद अपने पुराने सिम फिर से चालू करा लिए।

इसके बाद उसने अपना पेटीएम को अपडेट करने का प्रयास किया तो नहीं हुआ। जब उसने पेटीएम से लिंक अपना एसबीआई खाता

क्रमांक 31512224077 चेक किया तो देखा कि 17 जनवरी को 49000-49000 रुपए तथा 18 जनवरी 2023 को 49000 रुपए, 45000 रुपए व 2000 रुपए इस प्रकार कुल 194000 पेटीएम का इस्तेमाल कर ट्रांसफर किया गया। शिकायत के बाद पुलिस ने साइबर सेल की मदद से पता लगाया। इस दौरान पुलिस को पता चला कि आवेदक के खाते से पैसा भारत-पे पुल एकाउंट में गया। भारत पे से लाभार्थी खाते की जानकारी ली गई। इस पर पता चला कि उक्त रुपए हनी आर्य के इंडसइंड बैंक खाता क्रमांक 100127335877 तथा राहुल पहाडिया के एचडीएफसी खाता क्रमांक 50200069629423 में ट्रांसफर होने की पुष्टि हुई। इस प्रकार उक्त दोनों बैंक के खाताधारकों ने मोबाइल मिलने पर उसका गलत इस्तेमाल का धोखाधड़ी की। इस मामले में दोनों खाताधारकों के खिलाफ धारा 420,34 के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

छठी कार्यक्रम में जा रहे बाइक सवारों को पिकअप ने मारी टक्कर, 10 माह के बच्चे सहित 4 की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में शनिवार दोपहर को बड़ा हादसा हो गया। हादसे में 10 माह के बच्चे के साथ उसके माता-पिता व एक अन्य महिला की मौत हो गई। सभी एक छठी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे इस बीच सड़क पर पिकअप ने इनकी बाइक को टक्कर मार दी। सूचना के बाद पुलिस ने सभी के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना पलारी थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार

जिले के ग्राम कुसमी निवासी पूरन भारद्वाज (26) अपनी पत्नी लता भारद्वाज व 10 महीने के बेटे खिलेश सहित एक अन्य महिला को लेकर अपनी बाइक से जा रहा था। एक ही बाइक पर सवार सभी पास के भरसेला गांव में एक छठी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसबीच पलारी के विष्णु पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही पिकअप ने इनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि बाइक सवार सभी गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद मौके से सभी घायलों को पलारी के अस्पताल ले जाया गया जहां पूरन भारद्वाज (26) अपनी पत्नी लता भारद्वाज व 10 महीने के बेटे खिलेश की मौत हो गई। वहीं एक अन्य महिला को बलौदाबाजार जिला अस्पताल रेफर किया गया लेकिन उसने भी रास्ते में ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद पलारी पुलिस ने पिकअप चालक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं बताया जा रहा है।

फिर एक बार दुर्ग पुलिस ने काटा स्टंटबाजों का चालान, वाईशेप ओवरब्रिज पर कर रहे थे मस्ती

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने एक बार फिर स्टंटबाजों का चालान काटा है। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के आधार पर दुर्ग पुलिस कार्रवाई की। एक्टिवा सवार युवक युवतियां वाइशेप ओवरब्रिज पर मस्ती कर रहे थे। इनकी मस्ती का वीडियो बनाकर एसपी से शिकायत की गई और पुलिस ने इनका चालान बनाया।

दरअसल दो एक्टिवा पर दो युवक व दो युवतियां सवार थे। वाईशेप ओवर ब्रिज से गुजरते समय इनका वीडियो बनाकर जागरुक नागरिग ने दुर्ग एसपी के वाट्सएप नंबर पर पोस्ट कर दिया। दोनों एक्टिवा में अलग अलग युवक युवती चला रहे थे। पीछे उल्टी दिशा में मुंह कर एक युवक व युवती बैठकर बतिया रहे थे। वीडियो के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और दोनों वाहन चालकों का 3000-3000 रुपए का चालान काटा गया। दोनों को समझाइश भी दी गई। दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने बताया कि दुर्ग भिलाई की जनता जागरुक है और रोज सड़क पर स्टंटबाजी करने वालों की शिकायतें मिल रही हैं और इस आधार पर कार्रवाई भी की जा रही है।

ठगी: कोविड काल में बिहार चला गया था परिवार, दो साल बाद लौटा तो बिक चुकी थी जमीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का एक कारोबारी कोविड काल में अपने परिवार के साथ बिहार रहने क्या गया पीछे से उसकी जमीन को ठगों बेच दिया। ठगों ने कारोबारी का फर्जी डेथ सर्टिफिकेट बनाया और जमीन को अपने नाम कर दूसरे को बेच दिया। दो साल बाद जब कारोबारी लौटा और टैक्स संबंधी कार्य के लिए तहसील ऑफिस गया तो पता चला कि उसकी जमीन किसी दूसरे के नाम पर है। इस मामले मे शिकायत के बाद पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ नामजद अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मामला सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र का है।

कारोबारी सुभाष गोयल पुस्तकालय रोड बक्सर बिहार का निवासी है। उसकी ग्राम पंडरीतराई रवि नगर रायपुर में खसरा नंबर 146 प्लट नंबर 11 / 3- 4 क्षेत्रफल 4338 वर्ग फीट जमीन है। इस जमीन पर गंगा राय व कुंती नायक की नजर थी। गंगा राय व कुंती नायक ने उक्त जमीन पर कब्जा बताते हुए कोर्ट में याचिका भी लगाई थी जिसे न्यायालय द्वारा निरस्त कर दिया गया । इनका जमीन हथियाने का सपना पूरा नहीं हुआ।

इस बीच कोविड काल में कारोबारी सुभाष गोयल बक्सर चला गया था। इसके पीछे गंगा राय ने एक फर्जी वसीयतनामा बनवाया और

प्रवीण कुमार साहू निवासी पंडरी रायपुर के विरुद्ध प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने शिकायतकर्ता की भूमि को वसीयत से प्राप्त होना बताया। इसके बाद गंगा राय एवं प्रवीण कुमार साहू आपस में मिलकर एक राय होकर आपसी समझौता नेशनल लोक अदालत में किया। इसके बाद उपरोक्त भूमि को मेसर्स स्वस्ति: कंसल्टेंसी द्वारा प्रोप्रायटर अर्जुन लाल साहू पिता सुखराम साहू निवासी बड़ा अशोक नगर गुढ़ियारी रायपुर के नाम पर पंजीकृत करा लिया। इसके बाद मेसर्स कंसल्टेंसी स्वस्ति: कंसल्टेंसी ने उक्त भूमि के बाबत एक विक्रय विलेख अकबर खान निवासी 96/873 यूनाइटेड ब्लड बैंक के सामने रवि नगर राजा तालाब रायपुर पक्ष में कराया है।

सुभाष गोयल जब वापस रायपुर लौटा तो वह अपनी भूमि का भू-भाटक जमा करने गया तब वह यह देखकर आश्चर्य चकित हो गया कि भू-अभिलेख में अकबर खान का नाम दर्ज है। इस संबंध में जानकारी के लिए न्यायालय से कागजात निकलवाये जाने पर उपरोक्त अनुसार की गई आपराधिक कृत्य फर्जी वसीयतनामा दस्तावेज आदि मिले। शातिरों ने सुभाष गोयल मृत बताकर न्यायालय में फर्जी दस्तावेज जमा कराए थे। इसके बाद न्यायालय ने गंगा राय, कुंती नायक, प्रवीण साहू तथा उनके सहयोगियों खिलाफ अपराध दर्ज करने का निर्देश जारी किया। वहीं इस मामले में कलेक्टर ने भी जांच के आदेश दे दिए हैं।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. __- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

ढलती उम्र में भी पिकनिक का आनंद

भिलाई। 55 साल पहले कुछ प्राइमरी तो कुछ हाई स्कूल लेवल में पढ़ते थे। इन बिछुड़े हुए छात्रों ने एक दूसरे की पूछ परख कर आज एक बार फिर इकट्ठा हुए । और उसी अंदाज में जिस अंदाज में छात्र रहते हुए पिकनिक मनाते थे, पिकनिक का आयोजन करने का विचार किया । पिकनिक का आयोजन बालोद रोड के करीब स्थित पिसेगांव के शांतिवन में किया गया । बड़ा सा वन जैसा माहौल उस पर शिवनाथ नदी का किनारा, बड़, आंवले, आम, बरगद के पेड़ की छांव तले यह आयोजन जंगल में मंगल कराने जैसा था। इस पारिवारिक पिकनिक के आयोजन की पूरी व्यवस्था कपूर सिंह परिहार व श्रीकांत घुले की देखरेख में हुआ। सभी ने मिल कर वहीं खाना बनाया। महिलाओं में श्रीमती नीता गुप्ता, श्रीमती स्नेहलता परिहार, श्रीमती लक्ष्मी, श्रीमती मीनाक्षी वर्मा, श्रीमती घुले आदि ने खेल कूद व मनोरंजन के अंतर्गरत हाउजी, कुर्सी दौड़, फुग्गा फोड़ आदि कराया। सबने खूब आनंद किया । अंत में यही बात सामने आई कि आनंद और खुशी के लिए उम्र बाधा नहीं हो सकती । आनंद की इस बेला में सभी में बचपन की वो उछल कूद भले न दिखाई दी हो पर बचपन का वो याराना जरूर दिखाई दिया ।

नेशनल जम्बूरी छत्तीसगढ़ में भी होगाः भूपेश बघेल

स्काउट चरित्र निर्माण का आंदोलन, मित्रता भाव बढ़ाने का सुंदर माध्यम, भारतीय संस्कृति का भी यही विचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्काउट का नेशनल जम्बूरी छत्तीसगढ़ में भी होगा। आज जिला स्काउट संघ की रैली में स्काउट्स को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्काउट आंदोलन ब्रिटेन में शुरू हुआ। इसका उद्देश्य मित्रता भाव और सेवा है। भारतीय संस्कृति भी वसुधैव कुटुम्बकम के विचार पर है और इस तरह से दोनों विचार एक जैसे भातृत्व और सेवा के विचार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को हेलीकॉप्टर देखने का शौक होता है, हम हेलिकॉप्टर से आये, मैं बच्चों को देख रहा था, स्काउट के बच्चे हेलीकॉप्टर

देखकर भी मुड़े नहीं, जबकि पहली बार हेलिकॉप्टर को देखकर कितना कौतूहल होता है। यह बताता है कि कितना गहरा अनुशासन स्काउट हमारे जीवन में छोड़ता है। इस मौके पर सुंदर रैली और छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुति ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस मौके पर संघ के राज्य मुख्य आयुक्त तथा संसदीय सचिव विनोद सेवनलाल चंद्राकर भी मौजूद रहे। उन्होंने अपने संबोधन में राज्य स्काउट्स के मुख्य संरक्षक और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर कोरोना काल में स्काउट्स ने सेवा का भरपूर काम किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के बच्चे देश भर में ही रहे कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। संघ के जिला अध्यक्ष अविनाश चंद्राकर ने भी अपना संबोधन दिया। पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आर एन वर्मा, पाटन नगर पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र कश्यप, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू, जनपद अध्यक्ष रामबाई सिन्हा, लक्ष्मण चंद्राकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। साथ ही संघ के संरक्षक एवं कलेक्टर श्री पुष्पेन्द्र कुमार मीणा तथा एसपी डॉ अभिषेक पल्लव भी इस मौके पर मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में विश्व कैंसर दिवस मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जे. पी.मेश्राम सर के निर्देशन एवं एनसीडी जिला नोडल अधिकारी डॉ आरके खंडेलवाल सर के मार्गदर्शन में दिनांक 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय दुर्ग में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ जिला एनसीडी कंसल्टेंट कविता चंद्राकर द्वारा किया गया,प्रारंभ में जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. वाय.के शर्मा एवं जीवनदीप समिति के सदस्य श्री दिलीप ठाकुर जी के द्वारा कैंसर के विषय पर जानकारी प्रदान की गई।

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ स्मिता सिन्हा स्त्री रोग विशेषज्ञ के द्वारा महिलाओं में होंने वाले कैंसर संबंधी जानकारी विस्तृत रूप में प्रदान की गई वह इसके बचाव हमें किस तरीके से करना है के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई,इसी कड़ी में आगे डॉ बी. एल.मरकाम ईएनटी रोग विशेषज्ञ एवं किमोथेरेपी प्रशिक्षित तथा डॉ. कामेन्द्रठाकुर सर्जरी विशेषज्ञ के के द्वारा कैंसर के प्रारंभिक लक्षण व आगे चलकर कैंसर से बचने के तरीके के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। इन सभी जानकारियों पश्चात शासकीय नर्सिंग कॉलेज कचांदूर के छात्राओं के द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन एवं रोलप्ले जिला चिकित्सालय के बाह्य रोग विभाग में दिया गया जिसमे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्राओ व नुक्कड़ नाटक में भाग लेने वाले छात्रों को पुरस्कार व प्ररसस्ती पत्र प्रदान किया गया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में एनसीडी विभाग से काउंसलर नरेश वर्मा, ललित साहू स्टाफ नर्स ज्योति बंछोर ,नूतन सामाजिक कार्यकर्ता कविता ताम्रकार ,रानू नायक एवम शा.नर्सिंग कॉलेज की शिक्षिका गायत्री का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही मानद सदस्य प्रशांत डोंगावकर रमेशपिल्लई की गरिमामय उपस्थिति थी।

राज्य सरकार युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देने के लिए कर रही अनेक प्रयास-वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर के 60 वार्डों में राजीव युवा मितान क्लब की गतिविधियां प्रारंभ हो गई हैं। शनिवार को वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एवं राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा ने आदर्श कन्या विद्यालय में मितान क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

एक दिवसीय प्रतियोगिता में दुर्ग, भिलाई, कांकेर, महासमुंद की टीमों ने भाग लिया। फ़ाइनल प्रतियोगिता में महासमुंद टीम ने भिलाई की टीम को पराजित कर जीत हासिल की मुख्य अतिथि के अरुण वोरा के हाथों से विजयी टीम के खिलाड़ियों को पुरुस्कार सहित ट्रॉफी व रनरअप टीम को दुतीय पुरुस्कार एवं सभी खिलाड़ियों को पुरुस्कार राशि के रूप देकर सम्मानित किया गया। वोरा ने कार्यक्रम के

दौरान कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। जिनमें राजीव युवा मितान योजना वार्ड स्तर पर होने के कारण सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय है। शहर के सभी वार्डों में युवाओं को संगठित कर सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन आज के समय की महती आवश्यकता है। लगातार युवाओं को रोजगार देने के प्रयासों के साथ ही अब सरकार ने बेरोजगारी भत्ते का भड्ढ प्रावधान अगले वित्तीय वर्ष से कर दिया है, सर्वहारा वर्ग कांग्रेस के साथ है।

बजट 2023-24: विशेषज्ञों ने बताया कैसा है यह बजट, कई बिंदुओं पर बताया नफा और नुकसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई सीए ब्रांच द्वारा आज सीए भवन सिविक सेंटर में केंद्र सरकार द्वारा पेश किये गये बजट -2023 पर परिचर्चा का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रत्यक्ष कर सहित जीएसटी के विशेषज्ञ वक्ताओं ने शिरकत कर बजट के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने केंद्र सरकार द्वारा पेश किये गये बजट के प्रावधानों और बदलाव की जानकारी उपस्थित लोगों को दी।

कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्जवलन कर की गई। तत्पश्चात

कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित प्रत्यक्ष कर मामलों के विशेषज्ञ सीए आरबी दोषी ने बजट के प्रावधानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आम आदमी के लिए इस बजट में टैक्स में काफी अच्छे प्रावधान किये जिसके तहत अब उन्हें 7 लाख रूपये तक की आमदमी पर कोई टैक्स नहीं देना होगा।

कार्यक्रम में उपस्थित जीएसटी मामलों के विशेषज्ञ सीए भावेश मित्तल ने जीएसटी के प्रावधानों की जानकारी उपस्थितजनों को दी।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ टैक्स बार एसोसिएशन के महासचिव एनएस यदु उपस्थित थे।

सिकासा चेयरमेन सीए राहुल बत्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र सरकार के यह बजट विशेष तौर पर मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत देने पर ध्यान दिया गया है। साथ ही अन्य वर्गों का भी विशेष ध्यान रखते हुए कई प्रावधान किये गये हैं।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण ब्रांच चेयरमेन सीए प्रदीप पाल व संचालन सीए भावेश जैन ने किया और कार्यक्रम में आभार व्यक्त सीए पायल जैन ने किया । कार्यक्रम में क़रीब 250 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया जिसने से राजनांदगाँव से 50 से अधिक लोगो ने शिरकत की। इस दौरान मुख्य रूप से वाइस चेयरमेन सीए पायल जैन, कोषाध्यक्ष सीए अंकेश सिन्हा, सिकासा चेयरमेन सीए राहुल बत्रा, सीए शिवम चौधरी आदि उपस्थित थे।

जो शिष्य अपने सद्गुरु की अंगुली पकड़ कर भक्ति करता है निश्चित ही वह भगवान को पा लेता है : देवी चित्रलेखा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्गाधाम पुरानी गंजमडी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में आज तीसरे दिवस देवी चित्रलेखा जी के सुंदर भजनों में धर्मप्रेमी झूम उठे, आज की कथा में लगभग 5 हजार से ज्यादा धर्मप्रेमियों के कथा का लाभ लिए, आज की कथा में देवी जी ने कहा कि सच्चे सद्गुरु भगवद् कृपा से ही प्राप्त होते हैं। जब ठाकुर जी कृपा करते हैं तब परमकृपामयी सद्गुरु का जीवन में आगमन होता है।

जब आपके जीवन में आपको सद्गुरु मिल जाए तो समझ लेना कि अब ये गोविन्द का इशारा है कि गुरु तो आ गए हैं अब गोविन्द भी आने वाले हैं। अब उनकी भी कृपा

होने वाली है। सद् ये शब्द कोई सस्ता नहीं है ये कोई खरवड हुआ शब्द नहीं है सद्गुरु सद्गुरु दीन्ही ऐसी नजरिया, हर कोई लागे मीत रे ... ये दृष्टि सिर्फ सद्गुरु से ही प्राप्त हो सकती है। इसलिए जब जीवन में सद्गुरु धारन हो जाये तो समझ लेना अब प्रभु बहुत प्रसन्न है हमसे हम पर भी कृपा बरसने लगी हैं। सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस में पूज्या देवी चित्रलेखाजी ने अपनी मधुर वाणी से श्रवण कराते हुए कहा कि जीव जन्म लेते ही माया में लिपट जाता है। और माया में लिपट जाने के कारण जीव अपने कल्याण के लिए कुछ नहीं कर पाता। वह जैसे जैसे कर्म करता जाता है वैसे वैसे फल उसे भोगने पड़ते हैं। मृत्यु के बाद जीव को 28 नरकों में से अपने कर्म के अनुसार किसी को भोगना पड़ता है तामिस्र, अंध्र तामृस्र, शैरव, माहरोख, काल असि पत्रवन इत्यादि 28 प्रकार के नरक हैं। देवीजी ने गुरु और शिष्य के बंधन पर प्रकाश डाला कहा कि सच्चे गुरु और शिष्य के सम्बन्ध का उद्देश्य सिर्फ भगवद् प्राप्ति होती है, जो शिष्य अपने सद्गुरु की अंगुली पकड़ कर भक्ति करता है निश्चित ही वह भगवान् को पा लेता है। आज की कथा विश्राम से पूर्व भगवान् के सबसे कम उम्र के भक्त श्री प्रह्लाद जी महाराज की कथा सुनाई। प्रह्लाद जी जो मात्र 5 वर्ष की उम्र में भगवान को पाने के लिए अकेले जंगल में चले गए। उन्हें स्वयं श्री नारद जी ने गुरु बन कर जाप मंत्र दिया।

धीमी गति से काम करने वाले ठेकेदार होंगे ब्लैक लिस्टेड : महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र में जारी विकास कार्यो को लेकर बैठक आयोजित की। धीमी गति से काम करने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड किया जाएगा। बैठक में विकास कार्यो की प्रगति निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कार्यों की धीमी गति पर जताई नाराजगी। वित्त विभाग प्रभारी दीपक साहू,पार्षद ज्ञानदास बंजारे भी मौजूद रहें।

महापौर धीरज बाकलीवाल और आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने नगर निगम में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की। बैठक में निगम के इंजीनियर एवं ठेकेदार शामिल हुए।साथ ही उन्होंने कहा कि धीमी गति से कार्य करने वाले ठेकेदारों को

ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई करेंगे। बैठक में उन्होंने निगम के प्रस्तावित, प्रक्रियाधीन, प्रगतिरत तथा वर्तमान में पूर्ण हो चुके विकास व निर्माण कार्यों की वार्ड वार विस्तार से समीक्षा की।

उन्होंने अधोसंरचना मद, निगम मद, विधायक निधि,महापौर मद, पार्षद मद सहित विभिन्न मदों से संबंधित विकास व निर्माण कार्यों की वर्तमान कार्य प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्यों में आवश्यक गति लाने, कार्य प्रक्रियाओं को तेजी देने, पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य करने कहा। आयुक्त ने वार्ड इंजीनियरों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने-अपने वार्ड के समस्त ऐसे निर्माण कार्यों की प्रगति संबंधी जानकारी प्रत्येक माह अनिवार्य रूप से निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करने कहा।महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा ठेकेदार अपने कार्यो के प्रति ध्यान देकर समयसीमा पर कार्य पूरा करें,कार्यो को भुगतान के नाम पर न रोके।उन्होंने ये भी कहा कि अपने अपने निर्माण कार्यो में तेजी लाए। महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि जिन प्रस्तावों के प्राक्कलन नहीं बन पाए हैं। तत्काल प्राक्कलन तैयार करें। उन्होने निर्देश दिए कि मरम्मत संधारण मद में पार्षदों द्वारा प्राप्त प्रस्ताव का भौतिक निरीक्षण कर तत्काल प्राक्कलन तैयार कराएं तथा आवश्यकतानुसार एक निश्चित समय सीमा में टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर कार्यादेश जारी करें व कार्य प्रारंभ कराएं।बैठक में मौजूद कार्यपालन अभियंता सुशील बाबर, प्रभारी कार्यपालन अभियंता राजेंश पांडेय,एसडी शर्मा,भवन अधिकारी प्रकाशचंद थवानी,वीपी मिश्रा,सहायक अभियंता आर.के. पालिया,जितेंद्र समैया,सहायक अभियंता संजय ठाकुर,सहायक भवन अधिकारी गिरीश दीवान,लेखाधिकारी आर.के. बोरकर सहित समस्त ठेकेदार मौजूद रहें।

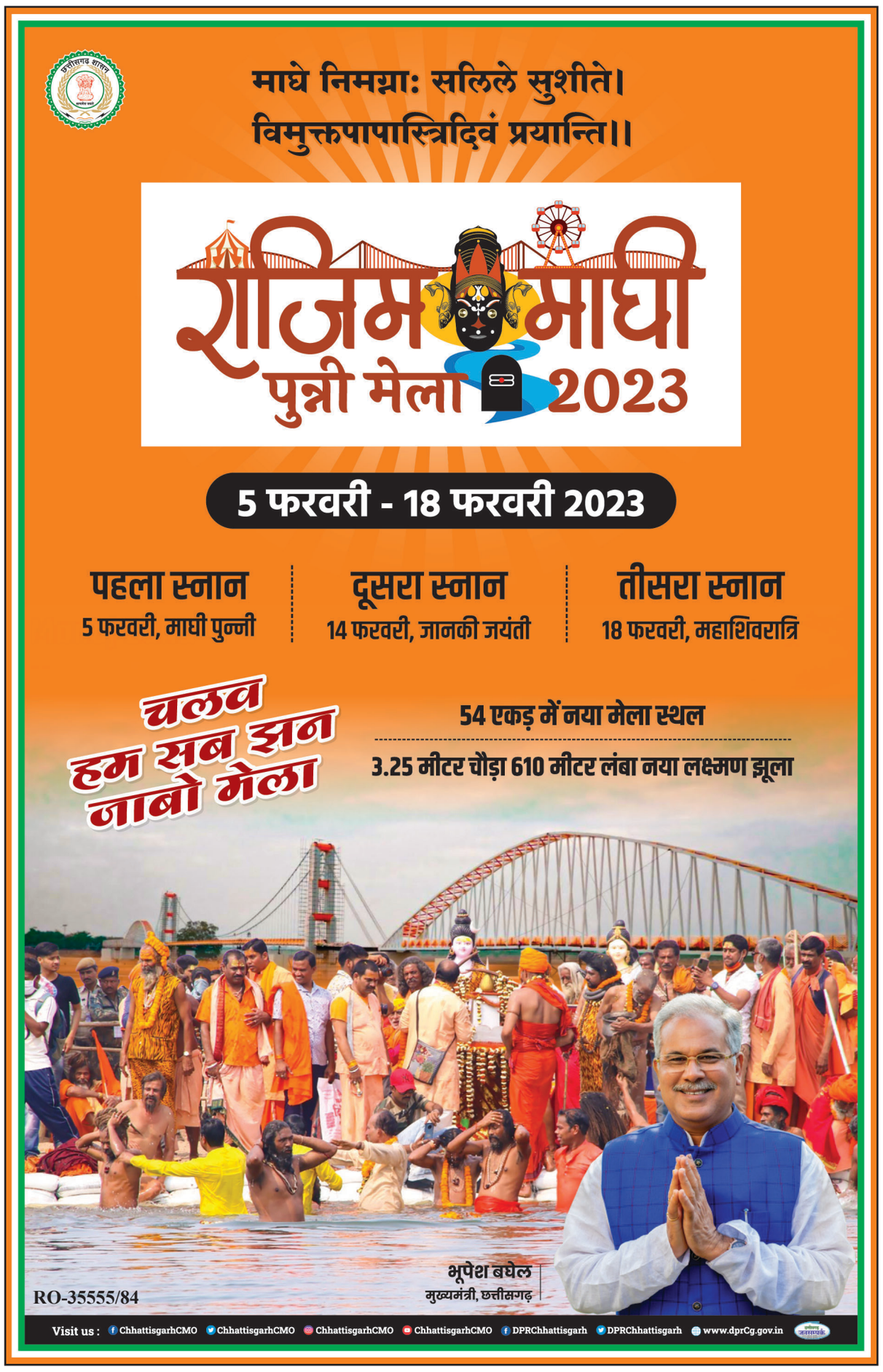

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950